महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

सुविचार

दो बातें इंसान के व्यक्ति त्व में बहुत बड़ा बदलाव लाती हैं,एक- जब कोई खास उसके जीवन में आ जाए, दूसरा- जब कोई बहुत खास उसके जीवन से निकल जाए

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 319 | उज्जैन, शुक्रवार 01 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

किसानों के हित में समर्पित होकर कार्य करें कृषि कर्मयोगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड प्रारंभ, पैक्स समितियों में सदस्यता वृद्धि महाअभियान का भी हुआ शुभारंभ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष के दौरान सोलह विभाग समन्वित रूप से किसानों के हित में कार्य कर रहे हैं। यह एक समग्र पहल है, जिसमें कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित अन्य विभागों को जोड़कर किसानों के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि कर्मयोगी उन्मुखीकरण कार्यशाला से प्रदेश में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी किसानों के समर्पण भाव के साथ नई तकनीकों और नवाचारों को अपनाते हुए कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2026 कृषक कल्याण के लिए समर्पित किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रवींद्र भवन, भोपाल में कृषक कल्याण वर्ष में किसानों के सशक्तिकरण और उनकी आय वृद्धि के उद्देश्य से कृषि कर्मयोगी उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों की शुरूआत की गई, जिनमें मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड, पैक्स समितियों में सदस्यता वृद्धि महाअभियान और सीएम किसान हेल्पलाइन शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हेल्पलाइन से जुड़कर कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त की और इसकी उपयोगिता का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की सेवा के लिए सीएम किसान हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। किसान भाई टोल फ्री नम्बर 155253 के माध्यम से इस नवाचारी पहल का लाभ ले सकेंगे। इस हेल्पलाइन से किसानों को त्वरित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्मुखीकरण कार्यशाला में उपस्थित सभी कृषि कर्मयोगियों से किसान हितैषी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए पवित्र और समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए कार्य करते हुए नए प्रयोगों के साथ अपने मन के नए अंकुरण और कोमलता को जीवंत रखने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता के बल पर अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से पशुपालन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने कई असंभव कार्यों को लक्ष्य तक पहुंचाया है। प्रदेश में दुग्ध क्रांति हो रही है। वर्तमान में किसानों को प्रति लीटर दूध पर पहले की तुलना में 7 से 8 रुपए तक अधिक मूल्य मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि क्षेत्र में अब व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहे है। पहले रबी फसल वर्षा पर निर्भर रहती थी, लेकिन अब समय बदल रहा है। नहरों और विद्युत सुविधाओं के विस्तार से खेत-खेत तक सिंचाई पहुंच गई है। इसके परिणामस्वरूप किसान अब वर्ष में 2 के स्थान पर 3 फसलें लेने लगे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार किसानों के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इस वर्ष राज्य सरकार किसानों से 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं उपार्जित कर रही है। राज्य सरकार ने उड़द की फसल पर समर्थन मूल्य के साथ देने की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान अब एग्री वेस्ट मैनेजमेंट अपनाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। मक्के के डंठल, गेहूं और धान की नरवाई से भूसा बनाकर किसान लाभ कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को खेती की ओर आकर्षित करने पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों और नवाचारों के माध्यम से खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। इजरायल में सीमित संसाधनों के बावजूद वहां खेती को अत्यंत आधुनिक और लाभकारी बनाया गया है। इजरायल में कम बारिश के बाद भी खेती में तकनीक का उपयोग प्रेरणास्पद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों बराबर हैं। कृषक परिवारों से आने वाले युवा डॉक्टर, इंजीनियर बनना चाहते हैं, लेकिन खेती को भी लाभ का जरिया बनाया जा सकता है। इसके लिए युवाओं को प्रेरित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश को तीन-तीन नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात मिली है। केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड और पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान के कई जिले लाभान्वित होने वाले हैं, जिनके लिए केंद्र सरकार ने लागत की 90 प्रतिशत राशि दी है। पीकेसी परियोजना पर सहमति के लिए राजस्थान के 15 जिलों के लोग मध्यप्रदेश सरकार को कोटि-कोटि धन्यवाद दे रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है और यहां जलराशी का पर्याप्त भंडार है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से अपने गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में गुजरात को विकसित और अग्रणी राज्य बनाया। अब हमारी सरकार भी नर्मदा के जल से प्रदेश को समृद्ध बना रही है। आज पानी की बूंद-बूंद को बचाकर खेती-किसानी को आगे बढ़ाने का प्रयास करने की आवश्यकता है।

कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि हर जिले में कृषि मेले आयोजित किये जा रहे हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से कृषि कर्मयोगियों के साथ मंथन हो रहा है। राज्य में किसान हितैषी सरकार है, मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों की परेशानियों के लिए चिंतित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज गेहूं उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के लिए शुरू की गई योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारा है। इस कार्य में सभी कृषि कर्मयोगियों को सहयोग प्राप्त हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक में बाधक विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास

लखनऊ/ जीएनएस। महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर गुरुवार को बुलाए गए विधानमंडल के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित कराने में बाधक बने कांग्रेस, सपा व अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। योगी सरकार ने विधानमंडल के दोनों सदनों में यह प्रस्ताव पास कराया। विधान सभा में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश सुरेश कुमार खन्ना व विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने निंदा प्रस्ताव पेश किया, जिसे दोनों ही जगह ध्वनिमत से पारित किया गया। विपक्ष ने प्रस्ताव का विरोध किया। निंदा प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष ने इस संशोधन विधेयक को रोकने के लिए मजहबी आरक्षण को आधार बनाया। हम मजहबी आरक्षण का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। भाजपा हमेशा से अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के आरक्षण के पक्ष में रही है। इन वर्गों को इनका अधिकार व हक जरूर मिलना चाहिए। सपा को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक का विरोध कर महिलाओं को मिलने वाले राजनीतिक अधिकारों को बाधित करने का प्रयास किया, मजहबी आरक्षण का मुद्दा उठाकर वास्तविक उद्देश्य से लोगों का ध्यान भटकाया। देश के साथ इससे बड़ा द्रोह कुछ और नहीं हो सकता है। संशोधन विधेयक का विरोध करने से आपकी जो मंशा सामने आई है, उसकी हम निंदा करते हैं। इससे पूर्व खन्ना ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि विशेष सत्र की चर्चा में पक्ष व विपक्ष के 33 सदस्यों ने भाग लिया इनमें 15 महिलाएं हैं। महिलाओं के विकास व सशक्तीकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर विवाह तक की व्यवस्था सरकार ने की है। लड़की पैदा होने पर मिठाई बांटने के लिए भी पांच हजार रुपये देने की व्यवस्था की है। अपराध नियंत्रण के मामलों में मुख्यमंत्री ने जब कहा कि मिट्टी में मिला देंगे, तो मिट्टी में मिलाया भी। संशोधन विधेयक पर विपक्ष द्वारा सीटों के परिसीमन का विरोध किए जाने पर उन्होंने कहा कि वर्ष 1972 में लोक सभा की सीटें 525 से 543 की गई थीं। इसके बाद वर्ष 1976 में इंदिरा गांधी ने इसे फ्रीज कर दिया।

पहली बार कश्मीर पहुंची 20 कोच वाली वंदे भारत, अब उरी तक ले जाने की तैयारी

श्रीनगर/ जीएनएस। जम्मू से श्रीनगर तक गुरुवार को पहली सीधी वंदे भारत एक्सप्रेस रवाना हुई। इस बार आठ नहीं, बल्कि 20 डिब्बे वाली वंदे भारत ट्रेन श्रीनगर पहुंची। हरी झंडी दिखाने के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पुंछ, राजौरी और उरी को देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने पर जोर दिया। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि अब हम पुंछ और राजौरी को रेल संपर्क से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम उरी को रेल से जोड़ने की परियोजना भी शुरू करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इन परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार कर लिए गए हैं और हम जल्द से जल्द काम शुरू करने का प्रयास करेंगे। श्रीनगर और जम्मू के बीच सीधी रेल सेवा शुरू होने से यात्रा का समय कम होगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही हर मौसम में चलने वाला सड़क परिवहन संपर्क भी उपलब्ध होगा। इस ट्रेन में 8 कोच की जगह 20 कोच लगाए गए हैं। इस ट्रेन सेवा से कश्मीर के लोगों को काफी फायदा हुआ है क्योंकि इसका इस्तेमाल सीमेंट, कार और साइकिल जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए किया जाता है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अब ट्रेन में आठ डिब्बों की जगह 20 डिब्बे हो गए हैं और जहां पहले 500 यात्री यात्रा करते थे, अब एक साथ 1400 लोग यात्रा कर सकते हैं। यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर की दोनों राजधानियों के बीच सीधी ट्रेन सेवा केंद्र शासित प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देगी, साथ ही पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा को आसान बनाएगी।

दिल्ली-यूपी की गर्मी पर राहत की बौछारः मई में खूब तपेगा राजस्थान, कैसा रहेगा जम्मू से हिमाचल तक का हाल?

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्री-मानसून गतिविधियों के तेज होने और लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के कारण उत्तर भारत सहित देश के बड़े हिस्से में मौसम ने रंग बदला है। अगले एक सप्ताह तक आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रह सकता है। इसका सबसे बड़ा असर है कि गर्मी पर पड़ेगा और हीटवेव पर अस्थायी ब्रेक लग जाएगा।

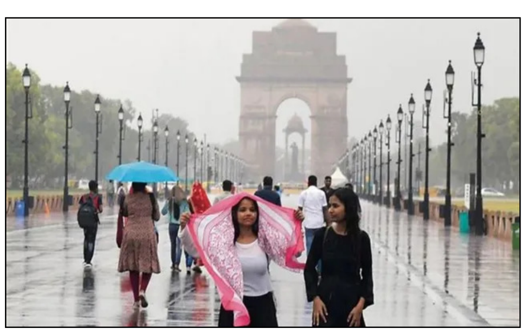

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत इस बदलाव का केंद्र बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में एक मई से लेकर छह मई के बीच रुक-रुक कर बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पहाड़ों में हो रही ऐसी गतिविधियां सीधे मैदानी इलाकों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेंगी। देश के एक बड़े हिस्से में तीन से छह मई के बीच कई दौर की हल्की से मध्यम वर्षा, आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।

दिल्ली-एनसीआर के मौसम में विशेष हलचल होगी। यहां 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ में बारिश और ओलावृष्टि की भी संभावना है। इससे तापमान में पांच-छह डिग्री तक गिरावट आएगी, जो गर्मी से राहत देगा।

राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का ढंग मिश्रित रहेगा। पश्चिमी राजस्थान में एक से तीन मई तक लू चलने की संभावना है, लेकिन इसके बाद वही क्षेत्र आंधी-बारिश की चपेट में आ सकता है। यह बदलाव दर्शाता है कि मौसमी संक्रमण का दौर चरम पर है।

लंबी लड़ाई के लिए तैयार था भारत, राजनाथ सिंह ने बताया 72 घंटे में ही क्यों रोका गया ऑपरेशन सिंदूर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर ने वैश्विक स्तर पर स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत आतंकी हमले होने की स्थिति में अब केवल कूटनीतिक बयान जारी करने की पुरानी मानसिकता से बंधा नहीं है बल्कि मोदी सरकार ने इसे आगे बढ़कर निर्णायक कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सरकार का दृढ रुख है कि किसी भी परिस्थिति में आतंकवाद का कोई भी कृत्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रक्षामंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खतरे के खिलाफ सरकार की इसी दृढ़ता का प्रमाण बताते हुए कहा कि आतंकवाद को धार्मिक रंग देकर या नक्सलवाद जैसी हिंसक विचारधारा से जोड़कर उसे जायज ठहराने की कोशिश की जाती है जो बेहद खतरनाक है।

रिजल्ट से पहले कोलकाता में बवाल, EVM स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पहुंचीं सीएम ममता

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है और इसका फैसला 4 मई को आने वाला है। उससे पहले कोलकाता में टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच बवाल मच गया है। ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूप के बाहर काफी हंगामा हुआ।

तृणमूल कांग्रेस ने एक सीसीटीवी फुटेज जारी करके बीजेपी पर आरोप लगाया गया कि मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ की गई। टीएमसी का कहना है, ÷दिन-दहाड़े लोकतंत्र की हत्या कर दी गई।÷ इसके बाद ममता बनर्जी स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर पहुंच गईं। टीएमसी ने कहा, ÷सीसीटीवी फुटेज से यह खुलासा हुआ है कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर, किसी भी संबंधित पार्टी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बिना ही बैलेट बॉक्स खोल रही है। यह एक घोर चुनावी धोखाधड़ी है, जिसे चुनाव आयोग की पूरी जानकारी और संरक्षण में खुलेआम अंजाम दिया जा रहा है।÷

ममता की पार्टी ने आगे कहा, ÷उन्होंने हर तरह की गंदी चाल चली है। चाहे वह नाम हटाना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, केंद्रीय बलों का आतंक फैलाना, और पैसे की बौछार करना हो लेकिन वे बुरी तरह नाकाम रहे। अब, पूरी तरह से हताश होकर वे EVM से छेड़छाड़ करने की नीच हरकत पर उतर आए हैं। लेकिन बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार जैसा नहीं है। हम चुपचाप बैठकर उन्हें हमारे लोकतंत्र को लूटते हुए नहीं देखेंगे।

आरोप पर चुनाव आयोग ने दिया जवाब- टीएमसी के आरोप पर चुनाव आयोग ने जवाब देते हुए कहा कि सभी दलों को जानकारी दी गई थी। स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित हैं और ईवीएम वाले सभी स्टॉन्ग रूप सील और सुरक्षित हैं। इनको प्रतिनिधियों के सामने सील किया गया था।

चुनाव आयोग का कहना है कि खुदीराम अनुशीलन केंद्र के अंदर 7‹ष्ट स्ट्रॉन्ग रूम हैं।

कल मतदान पूरा होने के बाद उम्मीदवारों/चुनाव एजेंटों और जनरल ऑब्ज़र्वर की मौजूदगी में इन सभी को विधिवत बंद करके सील कर दिया गया है। आखिरी स्ट्रॉन्ग रूम सुबह करीब 5.15 बजे बंद किया गया था।

मई में भी थी एक और धमाके की साजिश, पटियाला रेल ट्रैक विस्फोट के आरोपियों का खुलासा

पटियाला/ जीएनएस। शंभू थाना इलाके के अंतर्गत गांव बठौणियां से गुजर रही रेलवे ट्रैक पर धमाके के बाद मई महीने में भी वारदात की तैयारी थी। शंभू बॉर्डर के इस रेलवे ट्रैक को निशाना बनाने के लिए पहले रेकी की गई थी, जिसके बाद पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर रेल लाइन होने पर इसे निशाना बनाया जा रहा था। पटरी पर धमाका मालगाड़ी गुजरने पर करने की प्लानिंग थी। लेकिन इनकी प्लानिंग फेल हो गई थी। रिमांड के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया है। जिसके बाद पटियाला पुलिस की टीम इन लोगों से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में है। शंभू बॉर्डर रेल लाइन तक पहुंचने के लिए इनकी मदद करने व मोटरसाइकल मुहैया करवाने वाले लोगों की पहचान के लिए वीरवार को भी पूछताछ की गई। तरनतारन से लौटने के बाद पटियाला पुलिस की टीम ने तकरीबन सात घंटे तक आरोपियों से पूछताछ की है, जिसके बाद अगली रेड की तैयारी की जा रही है। रेलवे ट्रैक पर धमाके की घटना के बाद पटियाला पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें रिमांड पर लेने के बाद पुलिस टीम ने तरनतारन में रेड की थी।

अब बिना बायोमेट्रिक छात्र दे सकेंगे नीट यूजी की परीक्षा

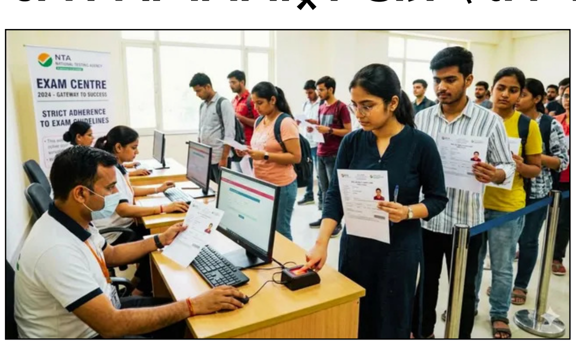

नई दिल्ली/ जीएनएस। मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी (नेशनल एलिजविलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट- अंडर ग्रेजुएट) के ठीक पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने छात्रों को एक बड़ी राहत दी है। जिसमें बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन न होने की स्थिति में भी किसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा।

ऐसी स्थिति में उनसे सिर्फ एक अंडरटेकिंग लेकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी जाएगी। नीट-यूजी की परीक्षा देश भर में तीन मई को आयोजित होनी है। जिसमें इस बार 22 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे। एनटीए ने यह कदम तब उठाया है, जब परीक्षा के ठीक पहले कई बार बायोमीट्रिक मशीन में खराबी और आधार नेटवर्किंग में दिक्कत के चलते वेरीफिकेशन में दिक्कत खड़ी हो जाती है। नीट-यूजी में बायोमेट्रिक अनिवार्य नहीं

परीक्षा के ठीक पहले वेरीफिकेशन न होने से छात्र भी तनाव में आ जाते है। ऐसे में स्थिति में छात्रों को परीक्षा से पहले किसी तरह के तनाव में डालने की जगह उन्हें लिखित अंडरटेकिंग का एक विकल्प दिया है।

जिसे देकर वह परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। एनटीए ने इस दौरान जारी निर्देश में साफ कहा है कि परीक्षा के दौरान यानी दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक छात्रों को बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन के नाम छात्रों को बिल्कुल भी परेशान न किया जाए।

गौरतलब है कि नीट-यूजी के दौरान किसी भी तरह गडबड़ी और फर्जी परीक्षार्थियों की पहचान के लिए एनटीए ने बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन की व्यवस्था बनाई है। जिसमें परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा जांच के बाद छात्रों का सबसे पहले बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन किया जाता है।

आपदा में अवसरः मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार का मास्टर प्लान तैयार, नहीं होगी पेट्रोल-डीजल की कमी

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए सरकार स्थायी रूप से कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कम करने की तैयारी में जुट गई है। केंद्र सरकार राज्य के साथ निजी सेक्टर को इलेक्ट्रिक बस व ट्रक खरीदने के लिए प्रोत्साहन योजना लाने जा रही है। कई राज्यों में सार्वजनिक वाहन के रूप में निजी सेक्टर की बसें बड़ी संख्या में चलती है।

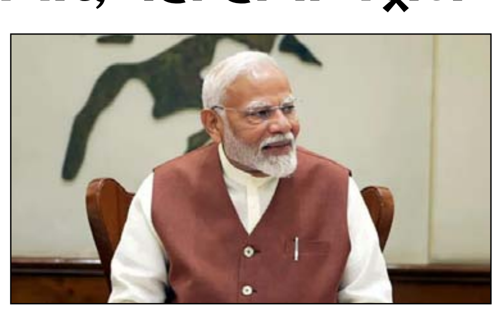

माल ढोने में बड़ी संख्या में इस्तेमाल होने वाले ट्रक डीजल से चलते हैं। कोशिश यह है कि सभी राज्यों को ऐसी सार्वजनिक वाहन प्रणाली विकसित करने के लिए राजी किया जाए जिससे कच्चे तेल की आयात की जरूरत भी नहीं हो और शहरों को भी प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके।

भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव के नेतृत्व में निजी इलेक्ट्रिक बस व ट्रक की खरीदारी के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न प्रकार के वित्तीय संस्थान, वित्तीय सेवा विभाग व कई अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। सरकार निजी इलेक्ट्रिक बस व ट्रक की खरीदारी के लिए ब्याज दरों पर छूट दिलवा सकती है और इस सीमा तक लोन की गारंटी भी ले सकती है।

वित्त मंत्रालय का मानना है कि इस चुनौती भरे समय में सबसे पहले हमें ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है। ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी हल निकालना होगा ताकि भविष्य में भी इस प्रकार की स्थिति में कोई दिक्कत नहीं हो। सिर्फ एथनाल की मदद से वाहन चलाने की कवायद भी शुरू होने जा रही है।

होर्मुज संकट का दुनियाभर में असर - सरकार का मानना है कि होर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही शुरू होने के बाद भी स्थिति सामान्य होने में महीनों लग जाएंगे। वैश्विक चुनौती के इस समय में सरकार आयात व निर्यात की लागत को कम करने के लिए भी कई नियमों का सरलीकरण कर सकती है और विभिन्न सीमा शुल्क को समाप्त कर सकती है।

वित्त मंत्रालय का मानना है कि इस कठिन परिस्थिति में अधिक से अधिक भारतीय युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े कारोबार में कुशल बनाने की जरूरत है। इससे घरेलू स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के प्रोत्साहन के साथ निर्यात से आय अर्जित करने में मदद मिलेगी।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े धार जिले में हुई सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों से मिलने श्री अरबिन्दो अस्पताल में पहुँचे

सभी घायलों को बेहतर उपचार के चिकित्सकों को दिए निर्देश - संभागायुक्त डॉ. खाड़े

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े गत दिवस धार जिले में हुई दुःखद सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों से मिलने श्री अरबिन्दो अस्पताल में पहुँचे। यहाँ उन्होंने अस्पताल प्रमुख डॉ. महक भंडारी से घायलों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। संभागायुक्त डॉ. खाड़े श्री अरबिन्दो अस?पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीजों से मिले और उनके स्वास्थ्य उपचार की जानकारी ली। अस्पताल में भर्ती मरीजों में केसर भाई, निर्मला बाई, ?विक्रम भाई, आशा बाई, बेबी मनीषा और निशा से मिले और उन्हें विश्वास दिलाया कि अस्पताल में सभी का इलाज समुचित रूप सुनिश्चित किया जा रहा है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अस्पताल के चिकित्सकों को ?निर्देश दिए कि सभी घायलों का उचित उपचार किया जाए। उन्हें समय पर दवाईयाँ और आवश्यक जाँच की जाए। किसी भी मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने घायल मरीजों के परिजनों से भी संवाद किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि अस्पताल में मरीजों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, डॉ. राघवेंद्र रायंगर, अरबिन्दो अस्पताल के प्रबंधन से जुड़े अधिकारी श्री राजीव सिंह एवं अन्य डॉक्टर्स उपस्थित रहें।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सभी घायलों का अस्पताल में निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। गंभीर घालयों को एक-एक लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये देने घोषणा की गई है। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

इंदौर में यातायात पुलिस की सख्ती, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 64 लाइसेंस निलंबित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस ने प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर मुस्तैदी के साथ अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने एक ओर जहां वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया, वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की गई। अभियान के दौरान अवैध पार्किंग करने वाले 255 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई, वहीं अमानक नंबर प्लेट वाले 81, रेड लाइट का उल्लंघन करने वाले 50, बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 606, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले 80 और रॉन्ग साइड वाहन चलाने वाले 91 चालकों पर चालान बनाए गए। गंभीर उल्लंघनों को देखते हुए 64 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सके और शहर में सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने किया एमपी ट्रांसको के सबस्टेशन का औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 132 केवी सबस्टेशन बानमोर (मुरैना) का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सबस्टेशन की कार्यप्रणाली, वर्तमान लोड की स्थिति, कंट्रोल रूम के पैनल, बैटरी सेट तथा स्विचयार्ड में स्थापित विभिन्न उपकरणों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से उपकरणों के मेंटेनेंस, सिस्टम की विश्वसनीयता तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने की तैयारियों की जानकारी भी प्राप्त की।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने पिछले वर्ष की तुलना में सबस्टेशन की क्षमता 70 एमवीए से बढ़ाकर 100 एमवीए किए जाने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बढ़ती गर्मी एवं उच्च विद्युत मांग को देखते हुए सभी आवश्यक तकनीकी एवं मेंटेनेंस कार्य समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किए जाएं, ताकि प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति बनी रहे।

तड़के मैदान में उतरे महापौर पुष्यमित्र भार्गव, जल सप्लाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में जल व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने तड़के नगर पालिका निगम बिजलपुर स्थित जल यंत्रालय एवं नर्मदा जल निरंतरण कक्ष का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर में हो रही जल आपूर्ति की पूरी व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने पानी की टंकियों में जल आपूर्ति की स्थिति, वितरण प्रक्रिया और विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई की नियमितता को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जल वितरण प्रणाली को पूरी तरह सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित रखा जाए, ताकि शहरवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मौके पर जलकर प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा भी मौजूद रहे। महापौर ने टैंकरों के माध्यम से हो रही जल आपूर्ति व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और उनकी कार्यप्रणाली को समझते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि हर क्षेत्र में समय पर और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गर्मी के मौसम में जल संकट की स्थिति किसी भी हाल में उत्पन्न नहीं होनी चाहिए और इसके लिए सभी व्यवस्थाएं पहले से ही दुरुस्त रखी जाएं।

एक मई से शुरू होगा हाउस लिस्टिंग ब्लॉक सर्वे, तैयारियां पूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में जनगणना के अंतर्गत हाउस लिस्टिंग ब्लॉक सर्वे का शुभारंभ एक मई से किया जाएगा। सेल्फ इन्यूमरेशन की अवधि आज समाप्त हो गई है। अब प्रगणक एवं सुपरवाइजर घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। यह सर्वे आगामी एक माह तक चलेगा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वे के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आज चार्ज ऑफिसर्स की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत ब्रीफिंग की गई, साथ ही प्रगणक एवं सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण भी पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह सर्वे जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है और इसमें प्राप्त आंकड़े देश की नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रदेश में सबसे अधिक समय तक जिला पंचायत सीईओ रहे संयुक्त आयुक्त (विकास) हुए सेवानिवृत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभागायुक्त कार्यालय के संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री डी.एस. रणदा शासकीय सेवा की अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने के बाद आज सेवानिवृत हुए हैं। उनके विदाई समारोह में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि श्रीमती रणदा कार्यालय में सदैव सकारात्मक परिणामों को लेकर आगे रहे हैं। उन्हें सौंपे गए दायित्वों को समय पर पूरा करना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में रही है। श्री रणदा की 13 नवम्बर 1991 में पुनासा की पहली पदस्थापना हुई थी। वे मप्र शासन में ग्रामीण विकास विभाग के ऐसे अधिकारी रहे जिन्होंने सबसे अधिक समय तक विभिन्न 6 जिलों में 13 वर्ष तक जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मप्र शासन के मनरेगा में अतिरिक्त सीईओ भी रहे। इंदौर संभागायुक्त कार्यालय इंदौर में उनकी पदस्थापना 21 फरवरी 2025 को हुई थी।

श्रीमती शिवानी वर्मा, संयुक्त आयुक्त (विकास) का इंदौर में पदस्थापना- राज्य शासन द्वारा श्रीमती शिवानी वर्मा, संयुक्त आयुक्त (विकास), राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) भोपाल को प्रशासकीय आधार पर स्थानांतरित करते हुए अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक संयुक्त आयुक्त (विकास) संभागायुक्त कार्यालय, इंदौर संभाग इंदौर के पद पर पदस्थ किया गया है। यह स्थानांतरण श्री डी.एस. रणदा, जो वर्तमान में उक्त पद पर कार्यरत हैं, के सेवानिवृत्त होने के उपरांत प्रभावी होगा।

विधानसभा क्षेत्र-2 में पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण, जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा ने दिए सख्त निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू' ने विभिन्न जल टंकियों और संबंधित व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल सप्लाई की स्थिति, टैंकरों के माध्यम से वितरण, हाइड्रेंट निर्माण कार्यों की प्रगति, कुओं की साफ-सफाई और जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया का गहनता से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों को निर्धारित समय पर स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी व्यवस्थाओं को सुचारू और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए ताकि गर्मी के दौरान किसी भी प्रकार की जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। जल टैंकरों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए प्रभारी ने निर्देशित किया कि जिन टैंकरों पर संबंधित वार्ड क्रमांक और निःशुल्क जल अंकित नहीं है, उन पर तुरंत स्टीकर लगाकर ही संचालन किया जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और नागरिकों को स्पष्ट जानकारी मिल सके।

इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय सभापति मुन्ना लाल यादव, पार्षद शरद पंवार, मनोज मिश्रा, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

इंदौर में गांधीनगर के बिल्डर से पांच करोड़ वसूल चुका है लॉरेंस बिश्नोई का शूटर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बिल्डर विवेक दम्मानी की रेकी करने वाले बदमाश ने शहर के एक बिल्डर से पांच करोड़ रुपये वसूलने की पुष्टि की है। उसने कसरावद जेल में बंद बदमाशों से ही बिल्डर की रेकी करवाई थी। रुपये क्रिप्टो करंसी के माध्यम से दुबई होकर हैरी बॉक्सर के पास पहुंचे थे। बिल्डर ने रिपोर्ट लिखवाने से इन्कार कर दिया है।

रेसकोर्स रोड निवासी विवेक दम्मानी को हैरी बाक्सर ने पांच करोड़ रुपये के लिए धमकाया था। पुलिस इस मामले में कसरावद जेल से राजपाल चंद्रावत (रत्नाखेड़ी नागदा) को रिमांड पर लेकर आई है। राजपाल ने पूछताछ में बताया विवेक की जीतनगर के सोनू उर्फ रितेश से रैकी करवा चुका है। हैरी बाक्सर का इशारा मिलते ही विवेक पर फायरिंग करवा देता। विस्तार से हुई बातचीत में राजपाल ने बताया वह फेसटाइम और सिग्नल एप के माध्यम से हैरी बॉक्सर से बात करता था। उसने यह भी बताया कि विवेक को धमकाने के पूर्व गांधी नगर क्षेत्र के बिल्डर मनीष को हैरी बाक्सर ने धमकाया था। उसकी राजपाल ने ही देवास के बदमाशों से रैकी करवाई थी। बाद में सभी बायो-काटन व्यवसायी दिलीप सिंह राठौर के घर फायरिंग करने के मामले में गिरफ्तार हो गए। दिलीप राठौर से राजपाल के परिचित गजेंद्रसिंह पंवार का 50 लाख रुपये का लेनदेन था। राजपाल ने हैरी बॉक्सर तक जानकारी पहुंचाई और दूसरे ही दिन उसके पास 10 करोड़ के लिए कॉल आ गया।

सुगम्य इंदौर अभियान के तहत एक्सिस ऑडिट टीमों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सार्वजनिक भवनों का सर्वेक्षण एमपीएसडीसी द्वारा विकसित डिस्ट्रिक जीआईएस परख ऐप द्वारा किया जाएगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा इंदौर जिले में दिव्यांगजनों के लिए सार्वजनिक भवनों में बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सुगम्य इंदौर अभियान प्रारंभ किये जाने हेतु एक्सिस ऑडिट टीम का गठन किया गया है। इसी क्रम में आज सुगम्य इंदौर अभियान के तहत इंदौर के एक निजी होटल में एक्सिस ऑडिट टीमों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक श्री पवन चौहान, अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री आशीष कटियार एवं होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री सुमित सूरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सुगम्य इंदौर अभियान के तहत् सार्वजनिक भवनों का एक्सिस ऑडिट किये जाने हेतु निर्धारित मापदण्ड के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत रूप जानकारी दी गई। यह जानकारी मूक बधिर प्रशिक्षण संस्थान इंदौर के श्री नंदकिशोर बचले द्वारा दी गई। इस अवसर पर सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत भवनों का सर्वेक्षण एमपीएसडीसी द्वारा विकसित डिस्ट्रिक जीआईएस परख ऐप के बारे में जानकारी दी गई। इसके संबंध में प्रशिक्षण जीआईएस डाटा स्पेशलिस्ट इंदौर डिवीजन की सुश्री निधि चौहान द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी टीमों के द्वारा अपने-अपने सदस्यों से विस्तार से चर्चा की गई तथा सर्वेक्षण कार्य शीघ्रता से करना सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त संचालक द्वारा बताया गया कि यह अभियान कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की संवेदनशील पहल के कारण आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ की विकास अधिकारी डॉ. डॉली जोशी द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम इंदौर, एमपीआईडीसी, उद्योग, इंदौर विकास प्राधिकरण, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, हाउसिंग बोर्ड, पुलिस हाउसिंग विकास निगम, एमपीईबी शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग स्वास्थ्य विभाग, बैंकर्स, ग्रामीम निकाय, होटल ऐसोसिएशन, शहरी विकास अभिकरण, भारतीय डाक विभाग के प्रतिनिधिगण के साथ-साथ सामाजिक न्याय विभाग की स्वैच्छिक संस्थाओं के अधिकारी कर्मचारी शिक्षक प्रशिक्षक सहित 100 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

मंत्री श्री सिलावट ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली, जन अभियान बनाने के दिए निर्देश

इंदौर जिले का जल स्तर बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर पूर्ण प्रयास करना होगा - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गुरूवार को जिला पंचायत कार्यालय इंदौर के सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित कर जन अभियान बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक विधानसभा महू सुश्री उषा ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री रीना सतीश मालवीय, श्री श्रवण सिंह चावड़ा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया, समस्त जिला पंचायत सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत इंदौर श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की रूपरेखा, वर्तमान तक किए गए कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण जनप्रतिनिधियों के समक्ष किया गया।

मंत्री श्री सिलावट ने समीक्षा बैठक में गंभीर नदी के पुनर्जीवन हेतु विस्तृत कार्ययोजना पर विशेष रूप से चर्चा की गई। साथ ही जिले में स्थित समस्त बावड़ियों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण के संबंध में भी विचार-विमर्श कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर जोर दिया गया। जन अभियान बनाने हेतु स्कूल कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षाविद, डॉक्टर्स, वकील, समाजसेवी, संस्था प्रमुख, साधु संत, समाज प्रमुख, शहर के वरिष्ठ जनों का सहयोग लेने हेतु निर्देश दिए।

बैठक के अंत में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय के साथ अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए जल संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूँ उपार्जन केन्द्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

खरगोन जिले के कतरगांव और शाजापुर के ग्राम मकोड़ी के गेहूँ उपार्जन केंद्र का किया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को खरगोन जिले में मंडलेश्वर तहसील के कतरगांव और शाजापुर जिले के ग्राम मकोड़ी में गेहूँ उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि गेहूँ उपार्जन से संबधित सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। अन्नदाताओं को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे निरंतर आकस्मिक दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कतरगांव में कृषक श्री

सुरेश पाटीदार की 55 क्विंटल गेहूँ की खरीदी के बाद ई-उपार्जन पोर्टल पर श्री पाटीदार को प्राप्ति ऑनलाइन जनरेट करवाई और कृषक को भुगतान राशि 1 लाख 44 हजार 374 रूपये का प्राप्ति पत्र सौंपा।

निर्देशों का पालन करें सुनिश्चित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को महेश्वर में रात्रि विश्राम के बाद आज खरगोन जिले में कतरगांव गेंहूँ उपार्जन केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देशित किया कि उपार्जन/खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। गेहूं खरीदी के आज से नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। किसानों के लिए उपार्जन/खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त छाया और शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान और सुविधा के साथ उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए। किसानों की उपज की तुलाई समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने उपार्जन केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

किसानों से किया संवाद- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपार्जन केन्द्र कतरगांव में किसान व पशुपालक श्री भागीरथ मालवीय तथा अन्य किसानों से संवाद भी किया। किसानों तथा पशुपालकों से चर्चा कर उनके साथ चाय पी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहाँ स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्थायें और किसानों को ओटीपी के माध्यम से किये जा रहे भुगतान की जानकारी प्राप्त की। किसानों से शासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान, सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनसे खेती-किसानी सम्बंधी चर्चा कर पशुपालन व डेयरी विकास के साथ ही परिजन के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान महेश्वर विधायक श्री राजकुमार मेव सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

सुवासरा में शादियों के सीजन में घनी आबादी के बीच रोज लाखों के पटाखों का थोक- रिटेल कारोबार

स्कूल–इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के पास जखीरे पर पुलिस–राजस्व–नगर परिषद व सीतामऊ डिवीजन मौन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा में विस्फोटक नियमों को दरकिनार कर पटाखों का अवैध कारोबार सालों से बेरोकटोक जारी है। वर्तमान में शादियों का सीजन चल रहा है जो लगातार 3 महीने तक चलेगा। फिलहाल स्कूल बंद हैं, लेकिन बोरखेड़ी रोड स्थित सुवासरा इंटरनेशनल स्कूल के आगे और तहसील रोड स्थित शासकीय कन्या शाला स्कूल के पास दोनों दुकानें थोक एवं रिटेल में संचालित हो रही हैं। यह पूरा क्षेत्र घनी आबादी वाला है। पटाखा भंडारण के आसपास इलेक्ट्रॉनिक्स का बड़ा बाजार है और तहसील रोड पर रोज हजारों वाहनों व ग्रामीणों की आवाजाही रहती है। आरोप है कि पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग, नगर परिषद और सीतामऊ डिवीजन के अधिकारियों की जानकारी में पूरा मामला होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही। नगरवासी इस आशंका से सहमे हुए हैं कि कोई बड़ा हादसा न हो जाए।

नगर के तहसील रोड स्थित शासकीय कन्या शाला स्कूल के पास और बोरखेड़ी रोड स्थित सुवासरा इंटरनेशनल स्कूल के आगे आबादी क्षेत्र में कई वर्षों से पटाखों का व्यापार किया जा रहा है। फिलहाल स्कूल बंद हैं, लेकिन इन दुकानों पर रिटेल में पटाखे बेचे जा रहे हैं और थोक में भी पटाखे बेचे जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि फिरोज भाई दारूगर और उनके परिवार के लोगों द्वारा लाइसेंस की आड़ में आबादी क्षेत्र के बीच भारी मात्रा में पटाखों का अवैध भंडारण किया जा रहा है, जो विस्फोटक अधिनियम के स्पष्ट उल्लंघन में आता है।

शादी सीजन में रोज लाखों के पटाखों की बिक्री, 3 महीने तक खतरा- वर्तमान में शादियों का सीजन चल रहा है जो लगातार 3 महीने तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन लाखों रुपए के पटाखे बेचे जा रहे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि पटाखा भंडारण स्थल के चारों ओर इलेक्ट्रॉनिक्स की बड़ी-बड़ी दुकानें संचालित हैं। तहसील रोड से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों का आना-जाना लगा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यहां कोई दुर्घटना हुई तो इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम, वाहन और सैकड़ों घर एक साथ इसकी चपेट में आ सकते हैं। स्कूल खुलने पर बच्चों पर भी खतरा रहेगा।

स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से सालों से फल-फूल रहा कारोबार- नागरिकों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन को इस अवैध भंडारण की पूरी जानकारी है। राजस्व विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी में नियमों का उल्लंघन हो रहा है। नगर परिषद के अधिकारियों और सीतामऊ डिवीजन के प्रशासनिक अधिकारियों को भी पूरे प्रकरण की जानकारी है। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से फिरोज का कारोबार कई वर्षों से फल-फूल रहा है। लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन पर सभी विभागों की चुप्पी गंभीर सवाल खड़े करती है। नगरवासी पूछ रहे हैं कि यदि किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो गया तो इसकी प्रशासनिक जिम्मेदारी कौन लेगा? स्थानीय नागरिकों ने कलेक्टर मंदसौर से मांग की है कि पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग, नगर परिषद और सीतामऊ डिवीजन के प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी से संचालित इस कारोबार को तत्काल बंद कराया जाए। दोनों दुकानों को सील कर अवैध भंडारण जब्त किया जाए, उनका कहना है कि भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में पटाखों का थोक-रिटेल भंडारण जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

थाना प्रभारी सुवासरा राजेंद्रसिंह बघेल ने कहा कि इस तरह के ज्वलनशील पदार्थों की दुकान बिच नगर में चल रही है, तो में इसे दिखवाता हूं। इसके अलावा तहसीलदार सुवासरा सुनील पीडियार ने कहा कि यदि ऐसा है, तो में जांच करवाता हूं।

जेसीबी से खोद रहे हैं नाहर सैयद रोड को, क्षेत्रवासियों को चिंता, क्या समय पर बन पाएगी सड़क

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के नाहर सैयद रोड क्षेत्र में एक बार फिर सड़क खुदाई को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका इस क्षेत्र की ओर कम ही ध्यान देती है, जिससे छोटी-सी समस्या भी लंबे समय तक बनी रहती है। जानकारी के अनुसार नाहर सैयद रोड से आगे संजय हिल्स क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के लिए नगरपालिका द्वारा बन रही नई टंकी भरने हेतु नई पाइपलाइन डाली जा रही है। इसके लिए ठेकेदार द्वारा जेसीबी मशीन से सड़क की खुदाई की जा रही है। हालांकि पेयजल व्यवस्था के लिए किया जा रहा यह कार्य आवश्यक है, लेकिन सड़क को दोबारा समय पर ठीक नहीं किए जाने की आशंका ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ठेकेदार किया समय पर पेंच वर्क करेगा ।या नपा सड़क बनाएगी।क्योंकि नाहर सैयद रोड पर नगरपालिका अक्सर पेंच वर्क कर गड्ढे भरती हे। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पहले भी जब सड़क खुदी थी, तब उसे ठीक होने में वर्षों का समय लग गया था। अब फिर वही स्थिति बनने का डर सता रहा है। लोगों ने मांग की है कि पाइपलाइन कार्य पूरा होने के बाद नगर पालिका जिम्मेदारी से सड़क का पुनर्निर्माण जल्द कराए, ताकि आमजन को परेशानी न हो। कांग्रेस नेता सादिक खान गोरी , अफजल खान गोरी, अब्दुल मतीन खान,जावेद खान, ,ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पालिका इस क्षेत्र की सुध केवल विशेष अवसरों पर ही लेती है। खासकर होली पर्व के दौरान नाहर सैयद दरगाह पर लगने वाले राष्ट्रीय एकता नाहर सैयद मेले के समय ही साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया जाता है, जबकि सालभर क्षेत्र की अनदेखी की जाती है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि विकास कार्यों के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं के रखरखाव पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाए। क्षेत्र के पार्षद प्रतिनिधि कांग्रेस नेता न्याज एहमद ने बताया कि क्षेत्र की समस्याओं के लिए वे प्रयास करते रहते हैं, लेकिन नगर पालिका इस क्षेत्र की ओर कम ही ध्यान देती है। अब जबकि नपा खुद संजय हिल्स के लिए पेयजल पाइप लाइन के लिए सड़क खुदवा रही है।तो ठेकेदार से जिम्मेदारी से नपा समय पर ठीक भी करवाएं।

अफजलपुर व कचनारा चौकी पुलिस ने कच्ची मदिरा के ठिकानों पर दी दबिश, 700 लीटर लहान नष्ट कराया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर पुलिस की अवैध कच्ची शराब महुआ के ठिकानों पर दबिश दी है। दलौदा थाना क्षेत्र की कचनारा चौकी के आक्या उमाहेड़ा एवं थाना अफजलपुर के ग्राम जोगीखेड़ा में दबिश देकर भारी मात्रा में कच्ची शराब व लहान जब्ती में लेकर नष्ट कराया गया है। दोनों ग्रामों से 700 लीटर लहान व शराब व इसे बनाने के लिए उपकरण को नष्टीकरण करना बताया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में एसडीओपी कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में दलौदा व अफजलपुर पुलिस द्वारा की गई है।

पुलिस के अनुसार दलौदा थाना अंतर्गत कचनारा चौकी पुलिस ने मुखबीर सूचना पर टीम गठित कर ग्राम आक्या उमाहेड़ा में घेराबंदी की। यह कार्रवाई कचनारा चौकी प्रभारी पूर्णिमा सिरोहिया के नेतृत्व में की गई। उन्होंने बताया कि अवैध शराब बनाने वाले तत्व अपने घरों के पीछे के आसपास कच्ची शराब तैयार कर रहे थे, ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके। लेकिन, सुनियोजित रणनीति के चलते ठिकानों पर दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान 200 लीटर कच्ची शराब बनाने का घोल लहान को मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसी प्रकार अफजलपुर थाने के ग्राम जोगीखेड़ा में मुखबीर सूचना पर सुनियोजित तरीके से गांव जाकर दबिश दी गई। कच्ची शराब बनाने वालों के ठिकानों से 480 लीटर लहान एवं उसको बनाने के उपकरण घटनाथल पर ही नष्ट कराए गए। इस कार्रवाई में अफजलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय, सउनि अजय चौहान, प्रधान आरक्षक शैलेन्द्रसिंह, संजीव त्रिवेदी, आरक्षक कानसिंह एवं चौकी प्रभारी पूर्णिमा सिरोहिया तथा चौकी पुलिस टीम का योगदान रहा।

नीमच शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित, सुबह 9 से रात 10 बजे तक नो एंट्री जोन घोषित

डी.एम. ने जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश, 15 मई तक रहेगा प्रभावशील

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु जिला दण्डाधिकारी श्री हिमांशु चंद्रा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) के तहत नीमच नगर के विभिन्न मार्गो को भारी वाहनों के लिए नो एंट्री जोन घोषित किया है।

प्रतिबंध की अवधि एवं समय - यह आदेश तत्काल प्रभाव से 15 मई 2026 तक प्रभावशील रहेगा। प्रतिबंधित समय प्रातः 09 बजे से रात्रि 10 बजे तक रहेगा। इस दौरान चिन्हित मार्गो पर भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा।

नो एंट्री जोन घोषित मार्ग- हिंगोरिया रेल्वे फाटक तिराहा से नीमच शहर की ओर, भरभड़िया फण्टे से नीमच शहर की ओर, जावद फण्टे से नीमच शहर की ओर, नाका नं. 7 (सुराही होटल) से फव्वारा चौक, मैसी शोरूम, स्पेटा पेट्रोल पंप तक, अंबेडकर रोड मैसी शोरूम चौराहा से लायन डेन तक, मूलचंद मार्ग बस स्टैण्ड से अल्कोलॉइड फैक्ट्री तक, पंचवटी कॉलोनी रोड, चमड़ा कारखाना रोड, टेगोर मार्ग फव्वारा चौक से चौपड़ा तथा विजय टॉकीज से दशहरा मैदान चौपड़ा गणेश मंदिर चौराहा तक।

कानूनी प्रावधान- आदेश का उल्लंघन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1) एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

जिला प्रशासन ने सभी वाहन स्वामियों, ट्रांसपोर्टरों एवं आम नागरिकों से आदेश का कड़ाई से पालन करने की अपील की है। यातायात पुलिस द्वारा उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी.

मंदसौर मंडी में किसान जीवन डांगी ने दिखाई ईमानदारी, गलती से मिले लाखों रुपये लौटाए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर कृषि उपज मण्डी सचिव लक्ष्मण सिंह ठाकुर द्वारा बताया गया कि कृषि उपज मण्डी समिति मंदसौर में 28 अप्रैल को मल्हारगढ़ तहसील के बोरखेडी निवासी कृषक जीवनलाल डांगी कृषि उपज सोयाबीन विक्रय हेतु लाये थे। उक्त कृषि उपज घोष नीलामी में 6 हजार 110 रूपये प्रति क्विंटल की दर से फर्म धीरेन्द्र सोया एग्रो प्रा.लि. द्वारा क्रय किया गया था। जिसका तौल अनुसार वजन 2.635 क्विंटल 6 हजार 110 रूपये प्रति क्विंटल की दर से हम्माल तुलाई की राशि का कटौत्रा कर कुल भुगतान योग्य राशि 16 हजार 57 रूपये फर्म द्वारा देनी थी। किन्तु फर्म के प्रतिनिधि द्वारा उक्त किसान को 1 लाख 60 हजार 57 रूपयों का गलती से भुगतान कर दिया गया था।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नीमच द्वारा एक मई से 13 मई 2026 तक क्रमशः- बकरी पालन, कम्प्यूटर टेली, ब्यूटी पार्लर, कृषि उद्यमी एवं महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ हो गए है। प्रवेश पहले आओ, पहले पाओं के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के युवक, युवतियों को दिया जावेगा। इच्छुक प्रशिक्षणार्थी चार पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, अंकसूची की छायाप्रति, के साथ आवेदन कर सकते है। विस्तृत जानकारी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान हवाई पट्टी के सामने नीमच से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। अथवा मो.न.9111053516 पर संपर्क किया जा सकता है।

सेन समाज का 31वां सामूहिक विवाह सम्मेलन भव्यता के साथ भादवामाता में सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेन समाज संगठन, नीमच तत्वावधान में तहसील नीमच द्वारा माँ भादवा माता के पावन धाम पर आयोजित 31वां जिला स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन मंगलवार को भव्यता एवं ऐतिहासिक सफलता के साथ सम्पन्न हुआ।

इस सम्मेलन में पांच वर-वधू जोड़ें परिणय सूत्र में बंधे - सम्मेलन अध्यक्ष श्री भगवती प्रसाद जी देवड़ा, जवासा के कुशल नेतृत्व एवं नवाचारों की सर्वत्र प्रशंसा हुई। सम्मेलन में मध्यप्रदेश एवं राजस्थान से पधारे अतिथियों का आत्मीय सत्कार किया गया।

प्रमुख नवाचारः- इस बार मंच पर वर-वधू के साथ उनके माता-पिता का भी एक साथ सम्मान किया गया, जिसने सामाजिक संस्कारों की नई मिसाल कायम की। साथ ही जिला टीम, वर्ग टीम एवं सभी कार्यकर्ताओं को एकता के सूत्र में पिरोकर सम्मानित किया गया।

जिला अध्यक्ष श्री सुखलाल सेन तारापुर, जिला युवा अध्यक्ष श्री चमन सेन नीमच एवं जिला महिला अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता गेहलोद ने बताया कि समाज के सभी समाजजनों के सहयोग से यह महायज्ञ सफल हुआ। सम्मेलन में समाज की पांच बेटियों के हाथ पीले हुए, जिससे कई जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिला।

सम्मेलन को सफल बनाने में समस्त भामाशाहों, दानदाताओं, मातृशक्ति, युवा साथियों, प्रशासन एवं प्रबंधन समिति का विशेष योगदान रहा।

सम्मेलन अध्यक्ष श्री भगवती प्रसाद जी देवड़ा ने कहा कि यह आयोजन सामाजिक एकता, भाईचारे एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के संदेश को आगे बढ़ाने वाला रहा। उनके दिन-रात के अथक परिश्रम एवं दूरदर्शी सोच ने सम्मेलन को नई पहचान दी।

संगठन ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए माँ भादवा से समाज में एकता एवं समरसता बनाए रखने की प्रार्थना की। उपरोक्त जानकारी जिला सचिव शिवम सेन चुकनी द्वारा दी गई।

15 दिनों से चल रहा किसान न्याय सत्याग्रह सम्पन्न, यह समापन नहीं, बल्कि शांतिपूर्ण विराम - दुर्गेश सिंह पटेल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला युवा कांग्रेस मंदसौर अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल के नेतृत्व में पिछले 15 दिनों से चलाया जा रहा किसान न्याय सत्याग्रह आज सम्पन्न हुआ। यह समापन मात्र औपचारिक नहीं, बल्कि किसानों के हक की लड़ाई में एक शांतिपूर्ण विराम है। युवा कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं होती, संघर्ष जारी रहेगा। आंदोलन के माध्यम से युवा कांग्रेस किसानों की फसलों के उचित दाम, समर्थन मूल्य पर खरीदी की कानूनी गारंटी, फसल बीमा और लंबित मुआवजे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है।

इस दौरान संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों एवं व्यापार समझौतों के कारण किसानों की उपज के दाम प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। एमएसपी को कानूनी दर्जा देने से किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम सुनिश्चित मूल्य मिलेगा और उन्हें बाजार की अनिश्चितता से राहत मिलेगी। युवा कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति जर्जर होती जा रही है। आंदोलनकारियों ने मांग की है कि जब तक किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य और एमएसपी पर कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह संघर्ष थमेगा नहीं।

इस सत्याग्रह को मजबूती देने के लिए युवा कांग्रेस के प्रदेश और जिला स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेता सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्याग्रह के माध्यम से प्रमुख मांगें रखी गई कि किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए, यूएस ट्रेड डील का विरोध करते हुए किसान हितों की रक्षा की जाए, फसल बीमा योजना की राशि तुरंत किसानों के खातों में डाली जाए, प्राकृतिक आपदा व अतिवृष्टि से हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य रूप से एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे, मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष चंचलेश व्यास, जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, मंदसौर जिला प्रभारी मनोज राजानी, महिदपुर विधायक दिनेश जैन बॉस, मंदसौर विधायक विपिन जैन, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, स्वीटी पाटिल, प्रदेश उपाध्यक्ष-उज्जैन संभाग प्रभारी जावेद पटेल, देवास किसान कांग्रेस अध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रकाश रातड़िया, सुवासरा विधानसभा प्रत्याशी रहे राकेश पाटीदार, मल्हारगढ़ विधानसभा प्रत्याशी रहे परशुराम सिसौदिया, ओम सिंह भाटी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मो.हनीफ शेख, अनिल शर्मा, सुनील बसेर, अजय लोढ़ा, सुरेंद्र कुमावत, शहर अध्यक्ष इष्टा भाचावत, राहुल जैन, जगदीश फौजी, किशोर पंवार, विकास दशोरा, वीरेंद्र सिंह हाडा, साबीर मदारी, प्रीतिपाल सिंह राणा, राजेंद्र सेठिया एवं प्रदेश, जिला विधानसभा व ब्लॉक स्तर के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संचालन सम्यक जैन ने किया। आभार राहुल अहीर यादव ने माना।

कोतवाली पुलिस ने दशपुर कुंज के पास मकान में हुई चोरी के आरोपी को पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कोतवाली पुलिस ने दशपुर कुंज बगीचे के पास एक मकान में हुई चोरी के आरोपी पकड़ा है, जिसके कब्जे से चोरी गया मशरूका भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार कोतवाली पर फरियादी मनोज पिता मदनलाल निवासी सरकारी अस्पताल के पास ने सूचना दी। बताया कि अज्ञात आरोपी के द्वारा उसका मोबाईल, घरेलू सामान व चांदी के सिक्के चुरा लिए हैं।

इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। इस दौरान मुखबीर सूचना मिली, जिस पर संदेही किशन पिता मांगीलाल रावत जाति मीणा 20 वर्ष निवासी बरगुण्डा गली कालाखेत को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ करने पर उसने अपराध कारित करना स्वीकार किया है। आरोपी से चुराए गए सामान को भी जब्ती में लिया गया। उसे कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी से एक मोबाईल, घरेलू सामान व चांदी के सिक्के तथा नकदी सहित कुल 17 हजार रुपए कीमती सामान मिला है। इस कार्रवाई में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़, प्रआ सुनील टेलर, विनोद नामदेव, आरक्षक भानुप्रतापसिंह, आशुतोष गिरी, अमित पांचाल, लखन साल्वी, शेषमल नागदा शामिल रहे हैं।

मंदसौर-नीमच को बड़ी रेल सौगात, काकीनाडा हिसार एक्सप्रेस अब रोज चलेगी

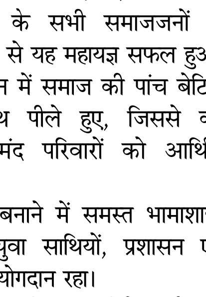

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के यात्रियों के लिए बहुप्रतीक्षित खुशखबरी आई है। काकीनाडा टाउनङ्कहिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस (17295/96), जो अब तक विशेष गाड़ी के रूप में संचालित हो रही थी, उसे मई 2026 के पहले सप्ताह से नियमित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण रेल सेवा को नियमित कराने में सांसद सुधीर गुप्ता के सतत प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह ट्रेन अब 05 मई 2026 से प्रत्येक मंगलवार को काकीनाडा टाउन से सुबह 5ः40 बजे रवाना होकर विजयवाड़ा, नांदेड़, भुसावल, वडोदरा, रतलाम होते हुए मंदसौर और नीमच जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए गुरुवार दोपहर 13ः40 बजे हिसार पहुंचेगी। वापसी में 08 मई 2026 से 17296 एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार को हिसार से दोपहर 14ः10 बजे रवाना होकर सादुलपुर, लोहारू, झुंझुनूं, चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर सहित विभिन्न स्टेशनों से गुजरते हुए रविवार रात 21ः35 बजे काकीनाडा टाउन पहुंचेगी। इस ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 22 कोच लगाए गए हैं, जिनमें 02 एसी फर्स्ट क्लास, 03 एसी टू टियर, 05 एसी थ्री टियर, 08 स्लीपर और 04 सामान्य (जनरल) कोच शामिल हैं, जिससे हर वर्ग के यात्रियों को लाभ मिलेगा। पूरे रूट में काकीनाडा टाउन, सामलकोट, राजामुंदरी, ताडेपल्लीगुडम, एलुरु, विजयवाड़ा, गुंटूर, मिरयालगुड़ा, नालगोंडा, मेड़चाल, निजामाबाद, नांदेड़, अकोला, भुसावल, जलगांव, उधना, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, फुलेरा, सीकर, झुंझुनूं, सादुलपुर होते हुए हिसार तक प्रमुख ठहराव निर्धारित किए गए हैं, जिससे मध्यप्रदेश और राजस्थान के यात्रियों को सीधा और सुविधाजनक कनेक्शन मिलेगा। सांसद सुधीर गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए नरेंद्र मोदी एवं अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ट्रेन क्षेत्र के विकास, व्यापार और आमजन की सुविधा में मील का पत्थर साबित होगी। विशेष रूप से मंदसौर-नीमच क्षेत्र के लोगों के लिए यह एक बड़ी सौगात है, जिससे उनकी यात्रा और भी सुगम होगी।

राष्ट्रीय स्तर के स्केटिंग मैदान के निर्माण का अनुरोध, सकारात्मक पहल का आश्वासन

रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता, 170 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्केटिंग एसोसिएशन द्वारा रोटरी क्लब मंदसौर के सहयोग से इंटर डिस्ट्रिक्ट रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 170 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न आयु वर्गों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेष रूप से 5 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला स्केटिंग एसोसिएशन के संरक्षक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब मंदसौर के अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, योग सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेंद्र जैन एवं स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल भंडारी मंचासीन रहे। खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या एवं उनकी उपलब्धियों को देखते हुए अभिभावकों एवं स्केटिंग संघ द्वारा अतिथियों से राष्ट्रीय स्तर के स्केटिंग मैदान के निर्माण का अनुरोध किया गया, जिस पर अतिथियों ने शीघ्र ही इस दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

अपने उद्बोधन में श्री सिसोदिया ने कहा कि मंदसौर में खेलों का सकारात्मक माहौल विकसित हो रहा है और हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट के साथ स्केटिंग का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने स्केटिंग कोच राकेश श्रीवास्तव एवं सचिन काले के समर्पण की सराहना करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन समारोह में मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए एवं स्केटिंग एसोसिएशन द्वारा खेलों के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा की स्केटिंग में बच्चों की संख्या और उनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता यह दिखा रही है कि स्केटिंग एसोसिएशन सही दिशा में और समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। इस अवसर पर एसोसिएशन अध्यक्ष कपिल भंडारी ने मंदसौर में एक बड़े स्केटिंग ट्रैक के निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

समापन कार्यक्रम में रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष दिनेश जैन, कनक पंचोली एवं शरद गांधी भी मंचासीन रहे। संचालन स्केटिंग एसोसिएशन के सचिव राकेश श्रीवास्तव ने किया। आभार रोटरी क्लब मंदसौर के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन ने व्यक्त किया। इस अवसर विवेक जैन, रोहित छाबड़ा, प्रमेंद्र चोरड़िया, मनोज सांखला, ऋषि मेहता सहित अनेक रोटरी सदस्य एवं अभिभावक उपस्थित थे।

ब्राह्मणी नदी के किनारे मुनिश्री ने किया केशलोच

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रान्त कि धार्मिक नगरी सिंगोली में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ने 30 अप्रैल गुरुवार चतुर्दशी के दिन प्रातः काल ब्राह्मणी नदी पर केशलोच किया जैन संत अपने हाथों से घास फूस की तरह सिर दाढी व मूंछ के बाल को आसानी से उखाड़ देते है जैन साधु की कठीन तपस्या में केशलोच भी मुलगुण में शामिल हैं बताते है कि इससे जैन साधु में शरीर की सुंदरता का मोह खत्म हो जाता है जैन साधु जब केशलोच करते हैं तो आत्मा की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है अपने आत्म सौंदर्य बढाने के लिए कठिन साधना है इससे संयम का पालन होता है जैन साधु सिर दाढी व मूंछ के बालों को निकालते समय कण्डे की राख का उपयोग करते है ताकी खून निकलने पर रोग न फैले अपने हाथों से बालों को उखाड़कर दिगंबर जैन संत इस बात का परिचय देते है कि जैन धर्म कहने का नही सहने का धर्म है जैन संत हाथों से बालो को उखाड़ना शरीर को कष्ट देना नही है बल्की शरीर की उत्कृष्ट साधना शक्ति परीक्षण है केशलोच तपस्या का अनिवार्य हिस्सा है जैन साधु साल मे दो से तीन बार केशलोच करते है जिस दिन केशलोच होता है उस दिन उपवास रहता है यह पल देखते ही कई श्रद्धालु भाव विभोर हो जाते है केशलोच देखने के दोरान बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

सम्पादकीय

बाल श्रम की व्यथा और कठोर श्रम करते हाथ मूल सुविधाओं से वंचित

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस केवल श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उन असंख्य अदृश्य हाथों की पीड़ा को भी सामने लाता है जो आज भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। भारत जैसे विकासशील देश में यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहाँ श्रम के साथ-साथ बाल श्रम की समस्या भी एक गहरी सामाजिक विडंबना के रूप में उपस्थित है। संविधान और कानूनों के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से खतरनाक उद्योगों, कारखानों, होटलों, ढाबों या अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों में कार्य कराना अपराध है। इसके बावजूद वास्तविकता यह है कि देश के छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और गांवों में लाखों बच्चे आज भी श्रम के बोझ तले दबे हुए हैं। वे कभी चाय की दुकानों पर काम करते दिखते हैं, कभी पटाखा उद्योगों में, तो कभी कचरा बीनते या भीख मांगते हुए। यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि उनके बचपन, शिक्षा और भविष्य का भी हनन है।

बाल श्रम की जड़ें गहरी हैं गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, अशिक्षा और सामाजिक जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण हैं। कई परिवारों में आर्थिक मजबूरी इतनी तीव्र होती है कि वे स्वयं अपने बच्चों को श्रम के दलदल में धकेल देते हैं। इसके अतिरिक्त अभिभावकों की असामयिक मृत्यु, बीमारी या परिवार में अधिक सदस्यों का होना भी बच्चों को समय से पहले जिम्मेदारियों के बोझ तले ला देता है।

बाल श्रमिकों का शोषण बहुआयामी होता है शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक। उन्हें वयस्क श्रमिकों की तुलना में बहुत कम पारिश्रमिक दिया जाता है, जिससे नियोजकों के लिए वे सस्ते और सुविधाजनक श्रम का स्रोत बन जाते हैं। यही कारण है कि बाल श्रम की प्रवृत्ति समाप्त होने के बजाय कई स्थानों पर बढ़ती दिखाई देती है।

इस समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण कानून और योजनाएँ लागू की हैं, जैसे बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, तथा राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना। इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा पोषण, शिक्षा और बाल संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ जैसे संगठन बाल श्रम उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के कन्वेंशन 138 और 182 विशेष रूप से बाल श्रम के उन्मूलन और खतरनाक कार्यों से बच्चों को मुक्त कराने पर केंद्रित हैं। फिर भी, समस्या का समाधान केवल कानून बनाने से नहीं होगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से ही संभव है। दुर्भाग्यवश, कई बार इन कानूनों का पालन कराने वाली एजेंसियाँ भ्रष्टाचार, लापरवाही और लालफीताशाही की शिकार हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, नियोजक आसानी से बच निकलते हैं और बच्चे शोषण की आग में झोंक दिए जाते हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि बाल श्रम केवल एक कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी है। जब तक समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं बढ़ेगी, जब तक हम बच्चों को श्रम नहीं बल्कि शिक्षा और संस्कार का अधिकार देने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

मजदूर वर्ग की व्यापक स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक आज भी न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षित कार्यस्थल जैसे मूल अधिकारों से वंचित हैं। प्रवासी मजदूरों की स्थिति, विशेषकर महामारी के समय, ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया कि श्रमिक वर्ग हमारे विकास का आधार होने के बावजूद सबसे अधिक उपेक्षित है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बाल श्रम और श्रमिक शोषण के विरुद्ध एक समन्वित और सख्त नीति अपनाई जाए। इसके लिए कानूनों का कठोर और पारदर्शी क्रियान्वयन,शिक्षा और पोषण योजनाओं का प्रभावी विस्तार, गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा, और समाज में जागरूकता का प्रसार अत्यंत आवश्यक है।

अपूर्णता के भाव की समाप्ति ही ईश्वर का सामीप्य है

ईश्वर प्रदत्त इस प्रकृति व मानव मात्र के जीवन को सुंदर बनाना ईश्वर का ही कार्य है, क्योंकि जिस चीज को ईश्वर ने ही निर्मित किया है उसमें बदलाव लाना हमारे हाथ में नहीं। फिर यह कैसे और क्यों कहा जाता है कि जीवन को सुंदर बनाना हमारे हाथ में है। यह तो पहले से ही सुंदर है क्योंकि ईश्वर अपनी हर रचना को जैसी जरुरत है वैसी ही सुंदरता से निर्मित करता है। बस हम मानव की दृष्टि उस सुंदरता को देख नहीं पा रही है क्योंकि हम ऊपरी सुंदरता देखते हैं आँखों से। आंतरिक सौंदर्य जो आत्मिक सौंदर्य है उसे देखने के लिए गहन ध्यान से आत्मा को जागृत करना होगा, तभी हम सृष्टि की कृतियों का आनंद ले सकते हैं।

हम सृष्टि के निर्माता को जिस भी नाम से पुकारें, भगवान कहें, अल्लाह कहें, गॉड कहें, प्रकृति कहें या अन्य किसी नाम से जाने, उसने सृष्टि को इसी तरह से बनाया है कि उसमें कोई भी कमी है ही नहीं। वह अपने आप में परिपूर्ण है। अपने आप में सुंदर है।

21 दिसम्बर 1986 के एक प्रवचन में श्री माताजी कहती हैं, परमात्मा ने इतनी सुन्दर सृष्टि की रचना किसलिए की है?, यह एक प्रश्न हजारों वर्षों से पूछा गया है। इसका कारण समझना अत्यंत सरल है। जिस सुन्दरता की रचना की जाती है, वह सुन्दरता स्वयं अपने आप को नहीं देख सकती। ठीक इसी तरह, परमात्मा, जो कि स्वयं सुंदरता का स्त्रोत है, वह परमात्मा अपनी स्वयं की सुंदरता को नहीं देख सकते, जैसे एक मोती अपनी सुंदरता देखने के लिए अपने अंदर प्रवेश नहीं कर सकता, जैसे आकाश अपनी स्वयं की सुंदरता को नहीं समझ सकता। सितारे अपनी सुंदरता को नहीं देख सकते। सूर्य अपनी चमक को नहीं निहार सकता। इसी तरह से, सर्वशक्तिमान परमात्मा भी अपने स्वयं के अस्तित्व को नहीं देख सकते। उस परमात्मा को एक दर्पण की जरूरत होती है। और यही कारण है कि उस परमात्मा ने इस सुन्दर सृजन की रचना अपने लिए एक दर्पण के रूप में की है। यानि जैसे हम स्वयं में सौंदर्य तलाशते हैं वैसे ही ईश्वर भी हममें स्वयं के सौंदर्य को तलाशते हैं।

इसीलिए हमारी सभी आवश्यकताओं को प्रकृति पूरा करती है। जितनी भी असंगति या बुराई हम देखते हैं या उत्पन्न होती रहती हैं, वे सभी हमारे ही द्वारा बनाई गई हैं। साथ ही, हमारा मस्तिष्क इस रूप में विकसित हो जाता है कि वह हमेशा भविष्य को देखता है। हमारे मस्तिष्क के हमेशा ही भविष्य में ही दौड़ते रहने के कारण हमारे अंतर को हमेशा एक अपूर्णता की भावना घेरे रहती है। आधुनिक जीवन के तरीकों ने, भौतिकवादिता ने मनुष्यता पर बहुत नकारात्मक प्रभाव डाले हैं, अपूर्णता के एहसास ने इस भावना को और गहरा कर दिया है। साथ ही, यह गलत विश्वास भी दिलाया है कि इस अपूर्णता को पूर्ण करने के लिए आपको अधिक धन कमाना होगा, अधिक भौतिक वस्तुओं का अर्जन करना होगा।

यदि आप जीवन की सुंदरता को देखना चाहते हैं तो, थोड़े दिनों के लिए, केवल कुछ सप्ताह के लिए एक प्रयोग करके देख सकते हैं। अपने मन पर, अपने विचारों पर नजर रखने की कला, और जब भी मन भविष्य की ओर भागे तो उसे रोकने की कला सीखते हैं। एक ऐसी विधि जब हम स्वयं से कहने लगेंगे कि मैं पूर्ण हूं, मेरे जीवन में कोई भी कमी नहीं है, मैं खुश हूं, मुझे और किसी भी भौतिक वस्तु की तलाश नहीं है। कोई ऐसी वस्तु नहीं है जो मुझे पूर्ण कर सकती है, क्योंकि मैं स्वयं ही पूर्ण हूँ।

एग्जिट पोल की सच्चाई - लोकतंत्र का आईना या मीडिया का मुखौटा?

जब आंकड़ों की चकाचौंध सच का मुखौटा पहनने लगे, तभी सवाल उठाना जरूरी हो जाता है–29 अप्रैल 2026 की वह शाम ठीक ऐसी ही थी। मतदान खत्म होते ही टीवी स्क्रीन पर एग्जिट पोल का सैलाब उमड़ पड़ा, मानो जनादेश पहले ही लिख दिया गया हो। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के दावे, असम में प्रचंड बहुमत की भविष्यवाणी, दक्षिण भारत में कड़े मुकाबले के संकेत–हर चैनल अपनी कहानी गढ़ रहा था। इन आंकड़ों की चमक ने माहौल को रोमांचक जरूर बनाया, लेकिन भीतर ही भीतर एक संशय भी जन्म लेने लगा। क्या ये अनुमान सचमुच जनता के मन की गहराइयों को छू रहे हैं, या फिर यह केवल एक ऐसा परदा है जो सच्चाई को ढककर भ्रम का नया संसार रच रहा है?

जब पूर्वानुमान ही परिणाम बनने लगें, तब लोकतंत्र की दिशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है–एग्जिट पोल अब केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति हैं। ये आंकड़े दलों के आत्मविश्वास को बढ़ा-घटा सकते हैं, बाजार की दिशा तय कर सकते हैं और मतदाता की सोच प्रभावित कर सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़े अनुमान वास्तविक नतीजों से अलग रहे, जिससे केवल समीकरण ही नहीं, जनता का भरोसा भी डगमगाया। 2026 में भी वही तस्वीर है, जहां हर चैनल अपनी गणना से विजेता तय कर रहा है। ऐसे में चिंता बढ़ती है कि क्या हम इन अनुमानों से लोकतंत्र की सच्चाई समझ रहे हैं, या अनजाने में उसके मूल स्वरूप को कमजोर कर रहे हैं।

जब मतदाता का मन ही रहस्य बन जाए, तब उसे आंकड़ों में बांधना कठिन हो जाता है–भारत जैसे विविध देश में यह पहेली और गहरी है। यहां निर्णय केवल विचारधारा पर नहीं, बल्कि जाति, क्षेत्र, स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत अनुभवों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के मिश्रण पर आधारित होता है। कई बार मतदाता अपनी वास्तविक राय छिपा लेते हैं, जिससे एग्जिट पोल की सटीकता पर सवाल उठते हैं। 2021 और 2024 के चुनावों में 'साइलेंट वोटर' ने सभी अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। 2026 में भी यह अनदेखी ताकत सक्रिय हो सकती है, जो किसी भी सर्वेक्षण को चुनौती दे सकती है। यही वह बिंदु है जहां एग्जिट पोल की सीमाएं स्पष्ट होती हैं–वे आंकड़े दिखाते हैं, मन की गहराइयों को नहीं पढ़ पाते।

हर शोर में भ्रम नहीं होता–कुछ आवाजें सच भी कहती हैं, और एग्जिट पोल उसी सच की झलक बन सकते हैं। फिर भी यह कहना गलत होगा कि इनका कोई महत्व नहीं है। जब ये ईमानदारी और वैज्ञानिक पद्धति से किए जाते हैं, तो ये समाज के उन वर्गों की आवाज बनते हैं जो अक्सर मुख्यधारा से दूर रहते हैं। गांवों, कस्बों और हाशिए के समुदायों की राय सामने लाते हैं। यह लोकतंत्र की सकारात्मक झलक भी देते हैं, जहां हर आवाज मायने रखती है। चुनाव आयोग के नियम (सेक्शन 126) इनके दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं। लेकिन टीआरपी की दौड़, राजनीतिक दबाव और व्यावसायिक हित अक्सर इन आदर्शों को कमजोर कर देते हैं, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठने लगते हैं।

जब सच का आईना टेढ़ा दिखने लगे, तब खतरा गहराना तय है–एग्जिट पोल यदि वास्तविकता नहीं, उसका विकृत प्रतिबिंब बन जाएं तो असर दूर तक जाता है। जब ये अनुमान गलत साबित होते हैं, तो प्रभाव केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जनता के विश्वास पर भी पड़ता है। 2024 में दिखी आर्थिक और मानसिक अस्थिरता इस बात का प्रमाण है कि गलत अनुमान बड़ी कीमत वसूलते हैं। यदि 2026 के परिणाम भी इन पूर्वानुमानों से अलग निकलते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल होगा। तब यह पूछना लाजमी होगा कि क्या हम डेटा के नाम पर भ्रम को बढ़ावा दे रहे हैं? जब अनुमान की सीमाएं खुद स्वीकार हों, तब सटीकता पर सवाल स्वाभाविक है–भारत जैसे विशाल देश में भविष्यवाणी करना बेहद कठिन है। सैंपलिंग की सीमाएं, जमीनी डेटा जुटाने की चुनौतियां और अंतिम क्षणों में मतदाता के मन में बदलाव–ये सभी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। फिर भी ये पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। ये रुझान समझने का माध्यम देते हैं, दलों को रणनीति पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करते हैं और जनता को चर्चा का आधार देते हैं। लेकिन समस्या तब होती है जब इन्हें अंतिम सत्य मान लिया जाता है, जिससे भ्रम और अपेक्षाओं का टकराव पैदा होता है।

जब मतदाता का फैसला हर बार अनुमान को चौंका दे, तब उसकी अप्रत्याशितता ही उसकी असली पहचान बन जाती है–भारतीय मतदाता यही साबित करता आया है। इतिहास गवाह है कि यहां अंतिम क्षण का निर्णय कई बार सभी अनुमानों को धता बता देता है। 2004 और 2024 के चुनाव इसके स्पष्ट उदाहरण हैं। यह दिखाता है कि लोकतंत्र की असली ताकत किसी सर्वेक्षण में नहीं, बल्कि जनता की स्वतंत्र सोच और निर्णय क्षमता में है। एग्जिट पोल इस जटिलता को पूरी तरह नहीं समझ पाते, क्योंकि वे केवल सतह को छूते हैं, गहराई को नहीं।

जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है–एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही–इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

-प्रो. आरके जैन

वैश्विक समाधान में समर्थ यूपीआई

इस फरवरी में जब अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर हमला किया तो पश्चिम एशिया में हड़कंप मच गया। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल, बहरीन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे तथा स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद कर दिया। यह वह समुद्री रास्ता है, जिससे दुनिया का 20 प्रतिशत तेल और अरबों डालर का व्यापार होता है। बैंकिंग के रास्ते धीमे पड़ गए, पैसे भेजना मुश्किल हो गया। 40 दिनों की भीषण लड़ाई के बाद दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ, लेकिन उसके विस्तार के बाद भी स्थिति नाज़ुक बनी हुई है। इस जंग ने दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को तहस नहस कर दिया। होर्मुज़ बंद होने से तेल के दाम आसमान छू गए। शिपिंग कंपनियां रास्ता बदलने पर मजबूर हो गईं और सबसे बड़ी तकलीफ यह रही कि भारत के लाखों मज़दूर जो यूएई, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब में काम करते हैं, उनके परिवारों तक पैसे भेजना मुश्किल हो गया। पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था संकट में आ गई।

यह पहला मौका नहीं है जब दुनिया ने देखा कि पैसों की व्यवस्था को हथियार बनाया जा सकता है। 2022 में रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस को स्विफ्ट से बाहर कर दिया था। इस व्यवस्था के जरिए दुनिया के बैंक आपस में पैसे भेजते हैं। सीधे शब्दों में यह बैंकों का वाट्सएप है। रूस के स्विफ्ट से बाहर होने के बाद रूसी लोग दुनिया से कट गए। अब ईरान पर भी कड़े प्रतिबंध हैं।

भारत ने यूपीआआई यानी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को 2016 में तब शुरू किया था, जब दुनिया में इस तरह के संकटों की कल्पना भी मुश्किल थी। नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन आफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने यह व्यवस्था इसलिए बनाई थी, ताकि हर भारतीय को सस्ता, तेज़ और आसान डिजिटल भुगतान मिल सके। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यही यूपीआई एक दिन दुनिया के लिए स्विफ्ट का सबसे बड़ा निष्पक्ष विकल्प बन सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका- इज़राइल और ईरान की जंग ने यह साबित कर दिया कि भारत ने जो व्यवस्था अपने नागरिकों के लिए बनाई थी, वह आज पूरी दुनिया की जरूरत है।स्विफ्ट ने वादा किया था कि वह निष्पक्ष रहेगा, लेकिन राजनीति आई तो उसने पक्ष लिया। यूपीआई किसी के हाथ का हथियार नहीं और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यूपीआई जिसे आप फोन पे, गूगल पे या पेटीएम के ज़रिए रोज इस्तेमाल करते हैं, दुनिया की सबसे तेज़ और सबसे सस्ती भुगतान व्यवस्था है। अब यह देश की सीमाएं पार कर रही है। सिंगापुर, यूएई, फ्रांस और मारीशस जैसे कई देशों से यूपीआई का जुड़ाव हो चुका है। भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा विदेशी पैसा मंगाने वाला देश है। हर साल करीब 11 लाख करोड़ रुपये भारतीय विदेश से अपने घर भेजते हैं। लंदन में बैठी नर्स, ह्यूस्टन का इंजीनियर, दुबई का दुकानदार सब अपने परिवार को पैसे भेजते हैं। पुराने तरीकों से पैसे भेजने में 6-7 प्रतिशत तक की फीस कट जाती है। यूपीआई के ज़रिए यह खर्च लगभग खत्म हो सकता है।

-धनंजय राजौरा

आरक्षण की बहस–समान अवसर, सामाजिक न्याय और बदलते समय की चुनौती

भारत में आरक्षण पर बहस कोई नई नहीं है, लेकिन समय-समय पर यह मुद्दा नई परिस्थितियों और घटनाओं के कारण फिर से केंद्र में आ जाता है। हाल के दिनों में उच्च शिक्षा और संस्थागत नीतियों को लेकर University Grants Commission (UGC) से जुड़े विवादों ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। एक ओर ऐसे लोग हैं जो मानते हैं कि अब जातिगत आरक्षण की प्रासंगिकता कम हो चुकी है, वहीं दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग इसे सामाजिक न्याय और समान अवसर के लिए अब भी आवश्यक मानता है। इस जटिल बहस को समझने के लिए जरूरी है कि हम भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से हटकर इसके ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों पर गंभीरता से विचार करें।

सबसे पहले यह समझना होगा कि आरक्षण की मूल भावना क्या थी। भारतीय समाज सदियों तक गहरी सामाजिक असमानताओं से जूझता रहा है। कुछ वर्गों को शिक्षा, संसाधनों और सम्मानजनक जीवन से व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया। यह केवल आर्थिक अभाव का प्रश्न नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार और अवसरों की असमानता का भी था। इसी पृष्ठभूमि में संविधान निर्माताओं ने आरक्षण को एक अस्थायी उपाय के रूप में लागू किया, ताकि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाया जा सके और उन्हें बराबरी का अवसर मिल सके।

हालांकि, आज का भारत 70- 75 साल पहले के भारत से काफी अलग है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, शहरीकरण बढ़ा है और नई पीढ़ी के सामने अवसरों के नए द्वार खुले हैं। यही कारण है कि कुछ लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आज भी वही नीतियाँ लागू रहनी चाहिए जो दशकों पहले बनाई गई थीं। उनका तर्क है कि अब हर जाति के लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, इसलिए आरक्षण का आधार केवल जाति नहीं होना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि सवर्ण समाज में भी बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं, जिनके लिए अवसरों की कमी उतनी ही वास्तविक है।

यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है। वास्तव में, आर्थिक असमानता आज भारतीय समाज की एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। कई ऐसे परिवार हैं जो किसी भी आरक्षित श्रेणी में नहीं आते, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं दे पाते। ऐसे में यह मांग उठती है कि आरक्षण या सहायता का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

इसी सोच के तहत सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की है। यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है, क्योंकि यह स्वीकार करता है कि गरीबी केवल किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण देना पर्याप्त होगा?

दूसरी ओर, आरक्षण के समर्थन में एक मजबूत तर्क यह है कि सामाजिक भेदभाव और असमानता अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कई अध्ययन और सामाजिक अनुभव यह दिखाते हैं कि समाज के कुछ वर्ग आज भी शिक्षा, रोजगार और सामाजिक स्वीकृति के स्तर पर पीछे हैं। भले ही कुछ लोग आर्थिक रूप से आगे बढ़ गए हों, लेकिन सामाजिक पहचान के आधार पर मिलने वाले भेदभाव का अनुभव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यही कारण है कि अनुसूचित जाति (स्ष्ट) और अनुसूचित जनजाति (स्ज्ञ) के लिए आरक्षण को केवल आर्थिक सहायता के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व के रूप में भी देखा जाता है।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा सामने आता है–क्रीमी लेयर का। अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्क्ष्ष्ट) में यह व्यवस्था लागू है, जिसके तहत आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाता। कई लोग यह मांग करते हैं कि इसी सिद्धांत को स्ष्ट/स्ज्ञ वर्गों पर भी लागू किया जाए, ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। हालांकि, इस पर मतभेद हैं, क्योंकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इन वर्गों में सामाजिक भेदभाव का प्रभाव इतना गहरा है कि आर्थिक स्थिति बेहतर होने के बावजूद भी इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मेडिकल और तकनीकी क्षेत्रों में आरक्षण को लेकर अक्सर चिंता व्यक्त की जाती है कि इससे गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि इन क्षेत्रों का सीधा संबंध मानव जीवन और सुरक्षा से है। लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी पेशे में अंतिम योग्यता और दक्षता प्रशिक्षण, मेहनत और अनुभव से तय होती है। मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों में सभी छात्रों को समान पाठ्यक्रम, परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इसलिए केवल आरक्षण के आधार पर गुणवत्ता पर सवाल उठाना एकतरफा दृष्टिकोण हो सकता है।

इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। यदि प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सभी छात्रों को समान गुणवत्ता की शिक्षा मिले, तो उच्च शिक्षा में असमानता अपने आप कम हो सकती है। आज भी सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गुणवत्ता का बड़ा अंतर है, जो आगे चलकर प्रतिस्पर्धा में असमानता पैदा करता है। इसलिए आरक्षण की बहस के साथ-साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार पर भी उतना ही ध्यान देना जरूरी है।

एक और पहलू है–प्रतिनिधित्व का। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यह महत्वपूर्ण है कि सभी वर्गों को निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व मिले। आरक्षण इस दिशा में एक साधन के रूप में कार्य करता है। यदि समाज के कुछ वर्ग लगातार पीछे रह जाते हैं, तो यह केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए नुकसानदायक होता है, क्योंकि इससे असंतोष और असमानता बढ़ती है।

इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आरक्षण को सही या गलत के सरल द्वंद्व में नहीं बांधा जा सकता। यह एक जटिल नीति है, जो समय, समाज और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की मांग करती है। एक संतुलित दृष्टिकोण यह हो सकता है कि आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था की समय-समय पर समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे।

इसके साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए छात्रवृत्ति, सस्ती शिक्षा, कोचिंग सुविधाएं और अन्य सहायता योजनाओं को मजबूत करना भी आवश्यक है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र केवल संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए।

अंततः, आरक्षण की बहस केवल नीति का सवाल नहीं है, बल्कि यह उस समाज की दिशा तय करती है जिसे हम बनाना चाहते हैं। क्या हम ऐसा समाज चाहते हैं जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, या ऐसा समाज जहाँ ऐतिहासिक असमानताएँ नई पीढ़ी को भी प्रभावित करती रहें? इसका उत्तर आसान नहीं है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि समाधान किसी एक छोर पर नहीं, बल्कि संतुलन में है।

समय आ गया है कि हम इस मुद्दे पर पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर विचार करें। न तो आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करना तत्काल समाधान है, और न ही बिना किसी बदलाव के इसे अनिश्चितकाल तक जारी रखना। जरूरत है एक ऐसी नीति की, जो सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और गुणवत्ता–तीनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ अवसर सच में समान हों और हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सके।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

घुसपैठ से मुक्ति के लिए बंगाल में बदलाव की लहर

इस बार पश्चिम बंगाल में मतदाताओं ने जबरदस्त मतदान करके इतिहास रच दिया है। साथ ही अंतिम चरण के मतदान के बाद एग्जिट पोल ने बंगाल और असम में भाजपा की जीत तय कर दी है। बंगाल में तृणमूल को पराजय का सामना करना पड़ता है तो ममता बनर्जी के लिए यह न केवल बड़ा झटका होगा, बल्कि तृणमूल का अस्तित्व वामदलों की तरह रसातल में डूबता दिखाई देगा। दरअसल असम एवं बंगाल में सबसे बड़ा कोई मुद्दा रहा है तो वह घुसपैठ और इन राज्यों में बढ़ता इस्लामीकरण है। अनेक सीमांत जिलों में घुसपैठ ने दोनों राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व को बिगाड़ दिया है। कई जिलों में मुस्लिमों की आबादी 90 से 95 फीसदी तक पहुंच गई है। इन बद्तर हुए हालातों के प्रति नरेंद्र मोदी और अमित षाह ने मतदाताओं को जागरुक किया। हिंदू संदेशखाली और आरजीकर में हुए महिला दुष्कर्मों के चलते ध्रुवीकृत हुए। भाजपा ने इन मुद्दों को भुनाने की दृश्टि से आरजीकर अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देबनाथ को और संदेशखाली आंदोलन की चेहरा रहीं रेखा पात्र को उम्मीदवार बनाया था। इन महिलाओं की उम्मीदवारी से बंगाल की महिलाओं में संवेदना जगी और बदलाव की लहर बनाने में उनकी प्रमुख भागीदारी रही।

इन सब बिंदुओं के उभार ने बंगाल में कुल मतदान को 92.47 प्रतिशत तक पहुंचाकर लोकतंत्र की गरिमा को महिमामंडित करने का काम कर दिया। इसी का परिणाम है कि छह में से पांच एग्जिट पोल बंगाल में भाजपा को स्पष्ट बहुमत दे रहे हैं। ये पोल असम में दूसरी बार भाजपा को एकतरफा जीत का ऐलान कर रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में द्रमुक की जीत लगभग तय है। केरल में कांग्रेस को हरी झंडी दिखाई है। पुडुचेरी में भाजपा को कांग्रेस से बहुत आगे बता दिया है। अर्थात पांच राज्यों में से तीन में भाजपा का डंका बजने जा रहा है। मतदान के दौरान निर्वाचन आयोग पूरी तरह चौकन्ना रहा। जहां से भी गड़बड़ी की खबर मिली, तुरंत एक्शन लिया। इस कारण लंबे समय तक अराजक तत्वों द्वारा मतदान रोकना संभव नहीं हो पाया। किसी भी झड़प को बड़े संघर्श का रूप लेने से पहले ही केंद्रीय बलों के जवान उसे नियंत्रित करने में सफल दिखे। पहली बार अमल में लाई गई त्वरित प्रतिक्रिया (रिस्पांस) दल ने भी अपने दायित्व का पूर्ण रूप से दायित्व का पालन किया। बावजूद सच्चाई का पता चार मई को आने वाले परिणामों से ही चलेगा।

बंगाल के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि न तो बमों के धमाके हुए और न ही बंदूकों से गोलियां गरजीं। अतएव न रक्त बहा और न ही कोई मौत हुई। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दे ंतो स्वतंत्र मतदान षांतिपूर्ण रहा। ऐसा 2.40 लाख सैन्य बलों की तैनाती के चलते संभव हुआ। इसीलिए बंगाल में पहली बार लगा कि सही मायनों में लोकतंत्र के इस पर्व में सभी समुदाय के लोग सद्भाव के साथ षामिल हुए है। बावजूद बौद्धिक पाखंडी बढ़े मतदान को ममता की वापसी बता रहे हैं। दरअसल बंगाल में इसके पहले हुए चुनावों में तृणमूल के कार्यकर्ता और अवैध घुसपैठिए अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हिंदुओं को मतदान नहीं करने देते थे। इस बार सेना की कठोरता के चलते हिंदुओं ने ध्रुवीकृत होकर मतदान में भागीदारी की। इसलिए इस बार बंगाल में पिछली बार की तुलना में करीब 9 प्रतिषत अधिक वोट पड़े। ये वोट भाजपा के पक्ष में जाते दिख रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के जरिए भी घुसपैठ करके अवैध मतदाता बने करीब 92 लाख मतदाताओं को मत से वंचित कर दिया है। इनमें से बढ़ा प्रतिषत तृणमूल के समर्थकों का रहा है, क्योंकि ये लोग जानते थे कि भाजपा आई तो बंगाल से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए मुस्तैद हो जाएगी। तृणमूल के कार्यकर्ता भाजपा और वामदलों के समर्थक मतदाताओं को इसलिए मतदान करने से रोकते थे, क्योंकि यदि ममता हारतीं हैं तो उनके निजी हित प्रभावित होंगे। ममता ने निश्ठावान अनुयायिओं को राषन की सरकारी दुकानों से लेकर नगरीय निकायों व ग्राम पंचायतों से मिलने वाले जायाज-नाजायाज लाभों से जोड़ा हुआ है। इसलिए उनके सामने आजीविका के संसाधनों को बचाए रखने के लिए जीवन-मरण का प्रष्न बना रहता है। भाजपा चूंकि वामदलों की तरह वामदलों की तरह अनुशासन कार्यकर्ताओं का राजनीतिक दल है। संघ के जमीनी स्वयंसेवकों का भी उसे सहयोग मिलता है। ये लोग अपने दल का अस्तित्व बनाए रखने की चिंता के चलते पार्टी के हितों की रक्षा करने को तत्पर रहते हैं।

ओपीनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंषा टटोलने की कोषि हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पष्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोषि है। ओपीनियन पोल बाईदवे षुल्क चुकाकर प्रायोजित ढ़ंग से कराए जा सकते हैं, इसलिए क्योंकि इनके प्रकाषित व प्रसारित होने के बाद मतदाता के रुख को प्रभावित किया जा सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान के चलते कराए जाते हैं, इसलिए ये वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान माने जाते हैं। अतएव कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता। मतदान के बड़े प्रतिषत को अब तक सत्तारूढ़ दल के खिलाफ व्यक्गित असंतुश्टि और व्यापक असंतोश के रूप में देखा जाता था, लेकिन मतदाता में आई बड़ी जागरूकता ने परिदृष्य को बदला है, इसलिए इसे केवल नकारात्मकता की तराजू पर तौलना बड़ी भूल होगी ? सकारात्मक दृश्टि से देखने की भी जरूरत है। मध्यप्रदेष विधानसभा-2023 के चुनाव में लाडली बहना योजना के चलते महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया था, जो भाजपा के पक्ष में स्पश्ट दिखाई दे रहा था। इसलिए मध्यप्रदेष में भाजपा चुनाव जीत पाई थी।

पारंपरिक नजरीए से मतदान में बड़ी रूचि को सामान्यतः एंटी इनकमबेंसी का संकेत,मसलन मौजूदा सरकार के विपरीत चली लहर माना जाता है। इसे प्रमाणित करने के लिए 1971, 1977 और 1980 के आम चुनाव में हुए ज्यादा मतदान के उदाहरण दिए जाते हैं। लेकिन यह धारणा पिछले कुछ चुनावों में बदली है। 2018 में छोड़ 2023, 2013, 2008 और 2003 में बड़े मतदान का लाभ सत्तारूढ़ होते हुए भी मध्यप्रदेष में भाजपा को मिलता रहा है। 2010 के चुनाव में बिहार में मतदान प्रतिषत बढ़कर 52 हो गया था, लेकिन नीतीष कुमार की ही वापिसी हुई। जबकि बंगाल में 2011 में ऐतिहासिक मतदान 84 फीसदी हुआ और मतदाताओं ने 34 साल पुरानी मार्क्सवादी कम्युनिश्ट पार्टी की बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकार को परास्त कर,ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को जीत दिलाई थी। गोया,चुनाव विष्लेषकों और राजनीतिक दलों को अब किसी मुगालते में रहने की जरूरत नहीं है,मतदाता पारंपरिक जड़ता और प्रचलित समीकरण तोड़ने पर आमदा हैं।

बड़े मत प्रतिषत का सबसे अह्म, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर देता है। हालांकि फिलहाल हमारे देष में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। निकट भविश्य में इस उम्मीद की पूरी होने की संभावना भी नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जतीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कलांतर में राजनीतिक दलों को भी तुश्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि जब मतदान प्रतिषत 80 से करीब 93 प्रतिषत तक होने लगा है। अतएव अगले चुनावों में हम देखेंगे कि जाएगा तो जाति, भाशा या क्षेत्र विषेश से जुड़े मतदाताओं की अहमियत लगभग खत्म हो जाएगी।

-प्रमोद भार्गव

बुद्ध पूर्णिमा को हजारों घरों में गूंजेंगे स्वाहा इदं गायत्री इदं नमः

आमजन मोबाइल पंडित, यूट्यूब, वीडिओ लिंक एवं ऑनलाइन शान्तिकुंज से जुड़कर भी गायत्री यज्ञ में भागीदारी कर सकते है

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में देश भर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बुद्ध पूर्णिमा पर पूरे भारत में वैश्विक स्तर पर लाखो घरों में एक ही समय में प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 तक गृह गृह गायत्री महायज्ञ संपन्न होंगे जिसका मुख्य उद्देश्य विश्व शान्ति, सबके कल्याण की भावना, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्त भारत, राष्ट्र को समर्थ, शक्तिशाली एवं अखण्डता में स्थिरता बनाना है ।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि 01 मई शुक्रवार बुद्ध पूर्णिमा को पूर्ण उत्साह एवं उमंग के साथ गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर की संरक्षिका दुर्गा दीदी के मार्गदर्शन में जिले भर के गायत्री साधक पुनीत गृह गृह गायत्री महायज्ञ अभियान की सफलता के लिये जुटेंगे ।

युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने गृह गृह गायत्री महायज्ञ अभियान पर अधिक जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2026 परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष है और इस दौरान गायत्री साधकों को लाखो घरों को देव परिवार बनाने का लक्ष्य मिला है जिसे जिले के निष्ठावान कार्यकर्ता पूर्ण जिम्मेदारी से संपन्न करेंगे साथ ही बताया कि गायत्री और यज्ञ हमारी भारतीय संस्कृति के माता-पिता है इनके बिना हमारा जीवन नीरस एवं अपूर्ण है, अगर हमारी संस्कृति को जीवित रखना है तो गायत्री और यज्ञ से जुड़कर रहना होगा । श्री चौधरी ने आगे कहा कि आमजन मोबाईल पंडित, वीडिओ लिंक, यूट्यूब एवं हरिद्वार से लाइव ऑनलाइन जुड़कर भी इस विधा से गृह गृह गायत्री महायज्ञ में अपनी भागीदारी कर सकते है। जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के मातृ जन्म शताब्दी वर्ष को सफल बनाने के लिए गृह गृह गायत्री महायज्ञ, देव स्थापना एवं दीप यज्ञ किया जाएगा । इन कार्यक्रमों के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी का सपना ÷मनुष्य में देवत्व का उदय व धरती पर स्वर्ग का अवतरण÷ को पूरा किया जाएगा । गृह गृह गायत्री महायज्ञ अभियान को सफल बनाने के लिए राजेन्द्र पोरवाल 9893699170 एवं प्रमोद निहाले 9302749911से सम्पर्क करें । श्री चौधरी ने बताया कि 31 मई को गायत्री परिवार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर भी जिले की सभी प्रज्ञा संस्थानों पर गायत्री परिवार तंबाकू निषेध के कई आयोजन आयोजित करेगा । पुनीत गृह गृह गायत्री यज्ञ अभियान को सफल बनाने में सम्पूर्ण जिले के गायत्री साधक जुटेंगे जिसमें कांतिलाल पटेल पटेल, हरिराम जिराती, संतोष पटेल सिरोलिया, हरिप्रसाद पाण्डेय, राजेन्द्र शर्मा, रामकरण यादव कन्नौद, गिरीश गुरु हाटपिपलिया, रमेशचन्द्र मेहता, रविन्द्र नायक सोनकच्छ, मनीष गुप्ता, विजय जाधव बागली, डॉ.राजेन्द्र व्यास खातेगांव, डॉ.जसवंत पंवार उदयनगर, पुरुषोत्तम परमार, जय प्रकाश नाड़ेकर सतवास आदि । गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी महेश पंड्या एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल ने आमजन से इस पुनीत आयोजन को सफल बनाने की अपील की हैं ।

बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर चिकन, माँस, मछली व पशुवध गृह, दुकानें पूर्णतः बंद रहेंगीं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार 1 मई को बुद्ध पुर्णिमा के पावन अवसर पर निगम सीमा क्षेत्र में स्थित समस्त पशु वध ग्रह एवं चिकन, माँस मटन एवं मछ्ली विक्रय की दुकाने एवं समस्त प्रकार के नानवेज होटल पूर्णतः बंद रहेंगें। बुद्ध पुर्णिमा के पावन अवसर पर शासन निर्देशानुसार आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम स्वास्थ्य निरीक्षक हरेन्द्रसिह ठाकुर को शहर के समस्त चिकन मटन, मछ्ली विक्रय की दुकानें निगम सीमा क्षेत्र में पूर्णतः बंद रखने के सूचना पत्र दिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। आयुक्त के निर्देश के पालन में स्वास्थ्य निरीक्षक श्री ठाकुर ने बताया कि सभी व्यवसायकों/ होटल, दुकानों के संचालकों को सूचना पत्र जारी किये गये है। शुक्रवार 1 मई को बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर उक्त दुकानें/ होटलें खुली पाई जाती हैं तो मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 254 की उप धारा (1) में उल्लेखित नियमों के अनुसार कार्रवाई प्रस्तावित की जावेगी।

नायब तहसीलदार कन्नौद मनीष बिरथरे निलंबित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रभारी नायब तहसीलदार कन्नौद मनीष बिरथरे को बिना किसी सूचना/अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर जिला देवास रहेगा तथा निलंबन अवधि में इन्हे नियमानुसार निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। कार्यवाही कलेक्टर देवास के प्रस्ताव के आधार पर की गई है। आदेश में उल्लेख है कि प्रभारी नायब तहसीलदार तहसील कन्नौद मनीष बिरथरे कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कन्नौद में 08 अप्रैल को उपस्थिति देने के पश्चात आज दिनांक तक कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए है। निरंतर अनाधिकृत अनुपस्थित रहने से राजस्व के न्यायालयीन कार्य तथा महत्वपूर्ण कार्यपालिक कार्य प्रभावित हो रहे है। अनाधिकृत अनुपस्थिति के संबंध में इन्हे पूर्व में अवगत कराये जाने उपरांत भी इनके द्वारा अपनी कार्यप्रणाली में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं लाया गया।

अपर कलेक्टर को दी गई भावभीनी विदाई

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर 30 अप्रैल को सेवा निवृत्त हुए अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह को अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री बालागुरू के तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सेवा निवृत्त हो रहे अपर कलेक्टर श्री सिंह ने अपने कार्यों को हमेशा पूरी दक्षता और विधिवत तरीके से किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में ऐसा कोई कार्य नहीं रहा, जो उन्हें सौंपा गया हो और समय पर पूरा न हुआ हो। श्री सिंह अपने कर्तव्यों के प्रति अत्यंत सजग और जिम्मेदार अधिकारी रहे हैं। उनकी कार्यशैली में अनुशासन और प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में उनकी पकड़ बेहद मजबूत रही है। उनके अनुभव और कार्य करने के तरीके से अन्य अधिकारी बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी संतुलन और कुशलता के साथ कार्य किया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने उनके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह का सबसे बड़ा गुण उनका कार्य के प्रति प्रोफेशनल दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि श्री सिंह ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया। उनकी कार्यशैली प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रेरणादायक रही है।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व है। अनुशासन ही हमें कर्तव्य बोध कराता है और कार्यों को व्यवस्थित ढंग से संपादित करने में सहायक होता है। समय-समय पर शासन की कार्यप्रणाली में बदलाव आते रहते हैं। इन बदलावों को सहजता से स्वीकार करना और वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यों में दक्ष बनने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्य में दक्षता निरंतर अध्ययन और नियमों की जानकारी से प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के हितग्राहियों को मिली सहायता राशि

देवास के 66 परिवारों को 1.44 करोड़ का अंतरण, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख, दुर्घटना पर 4 लाख

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गुरुवार 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री निवास से मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल 2.0) की अनुग्रह सहायता योजना के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से हितलाभ राशि का वितरण किया गया।

देवास के 66 हितग्राहियों को मिला लाभ- योजना के तहत देवास निगम सीमा क्षेत्र के 66 हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 44 लाख की राशि का अंतरण किया गया। इसमें सामान्य मृत्यु होने पर 60 हितग्राहियों के प्रत्येक परिवार को 2 लाख तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर 6 हितग्राहियों के प्रत्येक परिवार को 4 लाख की राशि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सिंगल क्लिक से भेजी गई।

निगम में बांटे स्वीकृति पत्र- निगम बैठक हाल में विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा निगम लोक निर्माण समिति अध्यक्ष गणेश पटेल, पार्षद आलोक साहू, पार्षद प्रतिनिधि राज वर्मा, निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी के साथ 66 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा व सुना गया।

इस अवसर पर दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनकल्याणकारी संबल योजना से गरीब व निर्धन परिवारजनों को सामान्य मृत्यु व दुर्घटना में मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता मिल रही है। इस सहायता राशि से वे अपने परिवार की देखभाल एवं भरण पोषण कर सकेंगे।

इस अवसर पर एनयूएलएम शाखा से विशाल जगताप, श्रम विभाग लेबर इंस्पेक्टर जसपालसिंह जग्गी, निगम से सुनील जोशी, मुकेश सोलंकी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

आरटीओ ने अलसुबह 14 स्लीपर बसों की जांच कर 84 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही की

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में आरटीओ जांच दल द्वारा रात्रि कालीन चलने वाली बसों की जांच देवास मक्सी रोड पर अलसुबह 04 बजे से की। कार्यवाही के दौरान दस्तावेजों एवं सुरक्षा संबंधी सुविधाओं जैसे अग्निशमन, मेडिकल बॉक्स, आपातकालीन खिड़की आदि की जांच की गई। जांच में बस चालक एवं यात्री के मध्य केबिन दरवाजों को हटवाया गया, आग से बचाव के सभी व्यवस्थाओं को देखा गया एवं सभी दस्तावेजी को पूर्ण करने के बाद ही बस के संचालन का निर्देश आरटीओ अधिकारी द्वारा दिया गया। कार्यवाही में कुल 52 बसों की सघन जांच में 14 बसों में कमी एवं परमिट शर्तों का उल्लंघन पाया गया, जिन पर कार्यवाही करते हुए 84 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। साथ ही आगे से परमिट में निहित शर्तों का पालन करने के निर्देश दिये गये। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा कि परमिट शर्तों के पुनः उल्लंघन करते पाए जाने पर परमिट निरस्त की कार्यवाही की जायेगी।

जनता के द्वार पहुँचेगा प्रशासनः ग्राम पीपरी में आज लगेगी कलेक्टर की रात्रि ग्राम चौपाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनसेवा और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह द्वारा 01 मई 2026 को तहसील उदयनगर की ग्राम पंचायत पीपरी में विकासखण्ड स्तरीय शिविर एवं रात्रि ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत पीपरी में दोपहर को विकासखण्ड स्तरीय शिविर का आयोजन होगा, जिसमें सभी विभागों के जिला प्रमुख उपस्थित रहकर आवेदकों से सीधे आवेदन प्राप्त करेंगे। मौके पर ही दस्तावेजों का परीक्षण कर समस्याओं के तत्काल निराकरण की कार्रवाई करेंगे।

शाम 07 बजे से लगेगी ग्राम चौपाल- विकासखण्ड स्तरीय शिविर के पश्चात शाम 07 बजे से ग्राम चौपाल का आयोजन होगा। ग्राम चौपाल में कलेक्टर ऋतुराज सिंह उपस्थित जनसमूह और आवेदकों से रूबरू होंगे। कलेक्टर सिंह द्वारा व्यक्तिगत रूप से आवेदकों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। ग्राम चौपाल में ग्रामीण अपनी ग्रामीणजन अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर को बता सकेंगे।

सभी जिलाधिकारी रहेंगे उपस्थिति और रात्रि विश्राम भी करेंगे- विकासखण्ड स्तरीय शिविर एवं ग्राम चौपाल में समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहेंगे। शासन की मंशा के अनुरूप, प्रशासन को जनता के द्वार तक ले जाने के लिए सभी अधिकारी रात्रि भोजन के पश्चात ग्राम पीपरी पर ही रात्रि विश्राम भी करेंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीणों की समस्याओं को बिना किसी विलंब के उनके अपने क्षेत्र में ही सुलझाना है।

ट्रक ने बस को मारी टक्कर, 24 तीर्थयात्री घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। टुकराना और बिजाना जोड़ के बीच गुरुवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां बापूजी पेट्रोल पंप के सामनेएक तेज रफ्तार ट्रक ने तीर्थयात्रियों से भरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस बस में करीब 52 यात्री सवार थे, जो केदारनाथ-बद्रीनाथ के दर्शन कर खरगोन लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का पिछला हिस्सा और ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में 24 से अधिक यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 के पायलट राजवीर और कमलेश, प्रधान आरक्षक पवन शर्मा, और आरक्षक देवांशु ठाकुर मौके पर पहुंचे। इसके बाद लालघाटी थाना और कोतवाली पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से शाजापुर के जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

आज से होगी कॉलेज की आनलाइन एडमिशन प्रक्रिया शुरू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कालेजों में आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें विद्यार्थी 1 मई से ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। नवीन कॉलेज के ई-प्रवेश जिला नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुमार बोड़ाने ने बताया कि विद्यार्थी मोबाइल या कंप्यूटर से घर बैठे पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के दौरान छात्र अपनी पसंद के अनुसार न्यूनतम 1 और अधिकतम 10 कालेजों का चयन कर सकेंगे।

पंजीयन के बाद विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन ई-वेरिफिकेशन के जरिए किया जाएगा, जिनका सत्यापन ऑनलाइन नहीं हो पाएगा, उन्हें निर्धारित हेल्प सेंटर पर जाकर प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया दो चरणों में होगी।

नायक बन उपार्जन केंद्र पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सादगी के साथ मिले किसानों से, तालियां बजाकर किसानों ने किया स्वागत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नायक फिल्म में जो किरदार अनिल कपूर ने निभाकर जनता का विश्वास जीता था। कुछ उसी प्रकार के अंदाज में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को ग्राम मकोड़ी के उपार्जन केंद्र पहुंचे, जिनके आने की जानकारी किसानों को नहीं थी। यही वजह थी कि उन्हें देखकर किसान हतप्रभ रह गए। इसके बाद किसानों के साथ मुख्यमंत्री सादगी के साथ मिले और भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को शाजापुर जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहे। अपने व्यस्त कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जहां प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया, वहीं सहज अंदाज में ग्रामीण विवाह समारोह में पहुंचकर नवदंपति को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर शाजापुर हेलीपैड पर उतरा, जहां आईजी, डीआईजी, कलेक्टर और एसपी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने अगवानी की। हेलीपैड से काफिला सीधे श्यामा वेयरहाउस स्थित गेहूं खरीदी केंद्र पहुंचा। यहां मुख्यमंत्री ने उपार्जन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानों को उपज बेचने में परेशानी न हो। भुगतान समय पर किया जाए और स्लॉट बुकिंग में देरी न हो। इस अवसर पर प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, विधायक अरुण भीमावद, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, उज्जैन संभाग आयुक्त आशीष सिंह, आईजी राकेशकुमार गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर ऋजु बाफना, एसपी यशपालसिंह राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शादी समारोह में पहुंचे सीएम, दिया आशीर्वाद- खरीदी केंद्र जाते समय रास्ते में एक गांव में विवाह समारोह देखकर मुख्यमंत्री ने काफिला रुकवा लिया। अचानक समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री को देखकर ग्रामीण हतप्रभ रह गए। डॉ. यादव ने नवदंपत्ति को आशीर्वचन दिए और नवदंपति के सुखद जीवन की कामना की। उनकी सहजता देखकर ग्रामीणों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। इसके बाद वे प्रसिद्ध सेमली हाटकेश्वर धाम पहुंचे। यहां उन्होंने पंडित कमल किशोर नागर जी और राजस्थान से पधारे श्री राधा कृष्ण जी महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के साथ मुख्यमंत्री ने भागवत कथा की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री दो घंटे से अधिक समय तक सेमली धाम में रहे।

डूबती नाव जैसी स्थिति है कांग्रेस की, गायब होने की कगार पर- मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थिति आज डूबती नाव जैसी हो गई है। देश की जनता कांग्रेस को आईना दिखा रही है। कांग्रेस अब देश से लगभग गायब होने की कगार पर है। जो भी दल कांग्रेस के साथ जा रहा है, उसका भी सूपड़ा साफ हो रहा है। सेमली धाम में संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान और मालवा की संस्कृति एक है। हमारी सरकार गौमाता की सेवा के लिए लगातार गौशालाएं खोल रही है। सेमली धाम चारों दिशाओं से आस्था का केंद्र है। यहां का विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर निर्यात की चुनौतियों के बावजूद प्रदेश सरकार हर किसान का गेहूं खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछली बार गेहूं खरीदी का लक्ष्य 75 लाख मीट्रिक टन था, जिसे इस बार बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। वर्तमान में खरीदी की अंतिम तिथि 9 मई है। आवश्यकता पड़ी तो तारीख आगे भी बढ़ाई जाएगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे ग्राम पिपलानी, सामूहिक विवाह सम्मेलन में नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद और बेटियों को 11-11 हजार की सप्रेम भेंट

आस्था, शिक्षा और इंफास्ट्रक्चर को बढ़ावा- गांवों की बदलेगी तस्वीर -शिवराज सिंह चौहान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा के दौरे पर रहे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री सबसे पहले बुधनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पिपलानी पहुंचे, जहां आदर्श गोंड समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होकर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, सामूहिक विवाह में शामिल हर बेटी को ÷मामा÷ की ओर से 11-11 हजार रुपये की सप्रेम भेंट दी जाएगी। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने विकास कार्यों को भी गति देते हुए ग्राम सुकरवास, वासुदेव, जमुनिया और सातदेव में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत के अलग-अलग विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, क्षेत्र के समग्र विकास और सामाजिक कल्याण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

बेटियों को जीवन की हर खुशी मिले- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में भावुक होते हुए बेटियों से कहा कि, मैं यहाँ कोई मंत्री या नेता बनकर नहीं आया हूँ, बल्कि अपनी बेटियों के मामा के रूप में आया हूँ, इन्हें आशीर्वाद देने आया हूं। भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि ये हमेशा सुखी रहें, वर-वधु दोनों निरोग रहें, इनका मंगल हो, इनका कल्याण हो। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि, भगवान ऐसी कृपा करना कि मेरी बेटियों के पांव में कांटा भी न गड़े और इन्हें जीवन की हर खुशी मिले। नवदंपतियों को जीवन के मूल्यों का संदेश देते हुए उन्होंने कहा, आपस में मिल-जुलकर प्रेम से रहना, क्योंकि यह जीवनभर का साथ है। दोनों परिवारों का मान-सम्मान बढ़ाना और जितना संभव हो, दूसरों की सेवा करना। समाज की सेवा को सर्वोच्च बताते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि, सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। मैं दिल से मानता हूँ कि जनता की सेवा ही भगवान की सच्ची पूजा है, इससे बड़ी कोई पूजा नहीं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मैं अपनी बेटियों के लिए सिलाई मशीन भी लेकर आया हूं, ताकि हर एक के पास रोजगार का एक साधन हो। वो घर से ही सिलाई का काम कर सकें और जरूरत पड़े तो इसे सीखकर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों में भी आयोजकों ने शानदार व्यवस्था की है। इसी दौरान उन्होंने बड़ा निर्णय लेते हुए कहा, मामा का दिल कह रहा है कि, जब मैं हूं तो बेटियों पर कोई बोझ क्यों पड़े। इसलिए जो ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये शुल्क के रूप में लिए गए हैं, वह राशि मैं सप्रेम भेंट के रूप में बेटियों को वापस करूंगा। उनके घर तक यह राशि पहुंचाई जाएगी।

जिले के 27 हजार 912 हितग्राहियों को दी 1 करोड़ 67 लाख की राशि

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत किया लाभान्वित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत प्रदेश के समस्त जिलो के साथ-साथ शाजापुर जिले के लगभग 27912 हितग्राहियों को 1 करोड़ 67 लाख 47 हजार 200 रूपये की राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया।

जिसके तहत मंदबुद्धि/बहुविकलांगता के 951 हितग्राही, मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना के 16173, कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 950, मुख्यमंत्री अविवाहिता पेंशन योजना के 32, सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन योजना के 779, सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना के 2556, सामाजिक सुरक्षा निःशक्त पेंशन योजना के 5296 तथा दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता राशि के 1175 हितग्राहियों को कुल 1 करोड़ 67 लाख 47 हजार 200 रूपये की राशि उनके खातें में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। उल्लेखनीय है कि म.प्र. शासन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से शासन द्वारा समाज के निर्धनों एव, निराश्रितों यथा-वृद्धजनो, कल्याणियो, परित्यकताओ, अविवाहिताओं एवं दिव्यांगजनो इत्यादि के लिये पेंशन योजनाऐं संचालित की जा रहीं है, जिसके अंतर्गत प्रति हितग्राही प्रतिमाह 600 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैं। उक्त कार्यक्रम का शाजापुर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में सीधा प्रसारण हितग्राहियों को दिखाया गया। पेंशन जमा होने पर हितग्राहियों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया गया।

निकिता सुरागे हत्याकांड के बाद परिवार दहशत में, सुरक्षा और रोजगार की मांग - भीम आर्मी

जिले में रोड़ों का नाम बिटियां रखने से कुछ नहीं होने वाला है जब तक बेटियां सुरक्षित ना हो, दत्तू मेढ़े

बुरहानपुर/ आयुष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर में कुछ दिन पूर्व निकिता सुरागे हत्याकांड चर्चा में रहा जिसमें अपराधी जेल में बंद है और कुछ की जमानत हो गई है, निकिता परिवार में बड़ी बहन थी यह मुख्य खंडवा जिले के रहने वाले हैं, पिता सब्जी भाजी बेचकर परिवार चलाते थे पारिवारिक विवादों और गरीब परिस्थितियों के कारण इन्हें बचपन से ही नानी के घर आना पड़ा मां वर्तमान में लोगों के घर बर्तन झाड़ू पोछा कर अपने बच्चों का पालन पोषण किया, जब बड़ी बच्ची कमाने योग्य हो गई थी और वह पूरे परिवार की जवाबदारी निभा रही थी साथ ही अपनी दोनों छोटी बहनों की शिक्षा भी पूर्ण कर रही थी ऐसे में साजिश के तहत हत्या कर दी जाती है, और इस घर में कमाने वाला कोई नहीं बचा है, मां बर्तन झाड़ू पोछा करके अपने बच्चों की जवाबदारी निभाने में तत्पर रहती थी परंतु हत्या के बाद में मानसिक रोगी हो चुकी है, और हमेशा सब में रहती है वह सभी किराए के घर में अपना जीवन यापन कर रहे हैं अब स्थिति इस प्रकार है कि घर का किराया बच्चों की शिक्षा का भार कौन संभाले इसी के चलते हुए भीम आर्मी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दत्तू मेढ़े जिला कलेक्टर से मिले और उनसे मौखिक निवेदन किया कि इनकी परिस्थितियों को देखते हुऐ सुरक्षा के दृष्टि से भी वर्तमान मे अस्थाई रूप से रोजगार दिया जाए जिससे वह शिक्षा और परिवार का पालन पोषण कर सके, अब सारी जिम्मेदारी स्नेहा सुरागे की है. उसे मदद मिलना चाहिए,

कलेक्टर ने हामी भरते हुए कहा कि आप आवेदन लिखित दे, जितनी मदद बनेगी नियम अंतर्गत उतनी हम करेंगे. जब मेढ़े ने मीडिया से कहा कि जिले में रोड़ों का नाम बिटियां रखने से कुछ नहीं होने वाला है जब तक बेटियां सुरक्षित ना हो,सख्त सुरक्षा अभियान बेटियों के लिए चलाया ना जाए, और निष्पक्ष करवाई होनी हो, क्योंकि यदि यही मुस्लिम दोषी होता तो पूरा समुदाय एक साइड में होता बुलडोजर भी चलाया जाता, ऐसे दोषियों को बक्सा ना जाय, क्योंकि जिले में इसके पूर्व भी कई घटनाएं हुई है, इन दोषियों की कोई जाति या धर्म नहीं होता विशेष ध्यान रहे. कलेक्टर से मुलाकात के चलते उपस्थित रहे दत्तू मेढ़े,स्नेहा सुरागे,तनीषा सुरागे,सुमन मेहरा,मनोज पानपाटिल आदि।

बोरदा में विकास कार्यों की सौगात

विधायक शेखावत करेंगे 30 लाख से अधिक के कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र बदनावर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बोरदा में क्षेत्रीय विकास को गति देने हेतु विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन कार्यक्रम दिनांक 01 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम बोरदा में 10 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण, भड़किया तलाई मजरा में 5,72,000 की लागत से स्थापित ट्रांसफार्मर का लोकार्पण तथा ग्राम बोरदी में 15 लाख की लागत से शेड निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधायक श्री भंवरसिंह जी शेखावत के मुख्य आतिथ्य तथा वरिष्ठ नेता श्री कमलसिंह जी पटेल कानवन, श्री हरिनारायण सिंह जी पंवार बखतगढ़, श्री निरंजन सिंह जी पिटगारा के विशेष आतिथ्य में किया जाएगा।

यह कार्यक्रम प्रातः 11ः00 बजे बीडपाड़ा (बोरदा) में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, एवं क्षेत्र के नागरिकगण उपस्थित रहेंगे।

ग्रामीण ब्लाक अध्यक्ष निरंजनसिंह पंवार पिटगारा तथा विधायक प्रतिनिधि द्वय घनश्याम जाट एवं तरुण जाट, ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उक्त जानकारी विधायक निज सहायक आर.पी.सिंह द्वारा दी गई।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने डीजे संचालकों के साथ की बैठक

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह ने बुधवार को जिले के डीजे संचालकों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना।

बैठक में जिले के विभिन्न डीजे संचालकों द्वारा अपने रोजगार की निर्भरता को दृष्टिगत रखते हुए निर्धारित समय-सीमा एवं कम डेसीबल स्तर पर डीजे संचालन की अनुमति प्रदान किए जाने की मांग रखी गई।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि वर्तमान में डीजे संचालन पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रतिबंध लागू है। उन्होंने कहा कि डीजे संचालकों की मांगों एवं समस्याओं को सुनने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई है। साथ ही, डीजे संचालन से प्रभावित एवं आपत्ति जताने वाले वर्ग की भी बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना जाएगा। दोनों पक्षों की बातों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर संतुलित एवं व्यवहारिक समाधान के प्रयास किए जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह ने कहा कि वर्तमान में डीजे संचालन पर लागू प्रतिबंध का पूर्णतः पालन किया जाना आवश्यक है तथा किसी भी प्रकार का उल्लंघन नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि डीजे संचालकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनने एवं समाधान के लिए यह संवाद आयोजित किया गया है। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में भी पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा जनसंवाद एवं चर्चाओं का आयोजन किया जाएगा।

जनगणना 2027 हेतु जिला स्तरीय समस्या निवारण सेल एवं चार्ज स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित

झाबुआ / दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत जिले में 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण कार्य प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा संपादित किया जाएगा। जनगणना कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं समन्वय सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के आदेशानुसार जिला स्तर पर जनगणना 2027 समस्या निवारण सेल एवं कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिला स्तरीय नोडल अधिकारी के रूप में श्री रविपाल मोरी, सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग झाबुआ को नियुक्त किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर उनसे मोबाइल नंबर 9098341715 पर संपर्क किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्र हेतु नियुक्त कंट्रोल रूम प्रभारी इस प्रकार हैं- थांदला श्री बालू सिंह डामर (7049735343) पेटलावद - श्री महेंद्र लछेटा (7869079041) मेघनगर - श्री भारत सिंह राजावत (9691638093) झाबुआ - श्री ललित नांदले (8518024678) रामा - श्री प्रेमसिंह बघेल (9993747459) राणापुर - श्री सुरेंद्र डावर (8349404489) नगरीय क्षेत्र हेतु नियुक्त कंट्रोल रूम प्रभारी इस प्रकार हैं- थांदला- श्री अमित त्रिवेदी (9827828379) पेटलावद - श्री गौरव खराड़ी (9754654594) मेघनगर - श्री प्रमोद राठौर (9893964123) झाबुआ ङ्क श्री आशीष भाबोर (8462060148) राणापुर ङ्क श्री अनिल कुमार जैन (9685613971) जिला प्रशासन ने जनगणना कार्य में संलग्न प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा तकनीकी कठिनाई होने पर संबंधित कंट्रोल रूम प्रभारी अथवा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी से संपर्क कर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करें, जिससे जनगणना कार्य सुचारू एवं समयबद्ध रूप से संपादित किया जा सके।

आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़ा अंतर्गत जिला स्तरीय व्याख्यानमाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़ा अंतर्गत शासकीय चंद्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, झाबुआ में जिला स्तरीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री विनोद मोहने, संभाग समन्वयक श्री अमित शाह, प्राचार्य डॉ. जे.सी. सिन्हा, प्रोफेसर डॉ. संजू गांधी एवं जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान द्वारा मां सरस्वती एवं आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मुख्य अतिथि श्री विनोद मोहने ने अपने उद्बोधन में कहा कि समय-समय पर महापुरुषों का जन्म समाज को नई दिशा देने के लिए हुआ है। सामाजिक समरसता के माध्यम से ही सनातन संस्कृति, धर्म एवं सभ्यता की रक्षा संभव है। उन्होंने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से हमें व्यावहारिक जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य का जन्म केरल के कालड़ी ग्राम में हुआ था तथा मात्र 8 वर्ष की आयु में उन्होंने संन्यास ग्रहण कर लिया था। भारत भ्रमण के दौरान उन्होंने गोवर्धन मठ पुरी, द्वारका मठ, ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ एवं श्रृंगेरी शारदा पीठ की स्थापना कर समरसता एवं आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। संभाग समन्वयक श्री अमित शाह ने पांच महापुरुषों की जयंती की स्मृति का उल्लेख करते हुए आदि गुरु शंकराचार्य के दार्शनिक जीवन एवं सार्वभौमिक विचारों पर प्रकाश डाला।

गरीबों के निवाले पर कंकड़-पत्थर का प्रहार

घटगारा राशन दुकान पर मिल रहा सड़ा हुआ गेहूं

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जहां एक ओर सरकार अंत्योदय और गरीब कल्याण के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की नाक के नीचे गरीब परिवारों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। ताजा मामला ग्राम पंचायत घटगारा का है, जहाँ उचित मूल्य की दुकान पर ग्रामीणों को कंकड़-मिट्टी मिला हुआ और सड़ा हुआ गेहूं वितरित किया जा रहा है।

जनप्रतिनिधि निर्भयसिंह मालवीय ने बताया कि राशन दुकान से जो गेहूं दिया जा रहा है, उसमें भारी मात्रा में मिट्टी और कंकड़ मिले हुए हैं। यह अनाज इंसानों के खाने लायक तो दूर, पशुओं के खिलाने योग्य भी नहीं दिखाई देता। इसके बावजूद, गरीबी और पेट की आग की मजबूरी के चलते ग्रामीण इस घटिया अनाज को लेने को मजबूर हैं।

सड़ा हुआ और मिट्टी मिला अनाज खाने से क्षेत्र में पेट दर्द, संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित सेल्समैन और विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसा प्रतीत होता है कि गरीबों को दिए जाने वाले सरकारी राशन की गुणवत्ता की जाँच करने वाला कोई नहीं है।

हम गरीब लोग हैं, मजदूरी करके पेट पालते हैं। अगर हमें मिलने वाला सरकारी राशन भी ऐसा सड़ा हुआ और कंकड़ भरा होगा, तो हम क्या खाएंगे? क्या प्रशासन हमारे स्वास्थ्य और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना चाहता है? यह घटना खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। क्या वेयरहाउस से राशन की निकासी के वक्त उसकी गुणवत्ता की जाँच नहीं की गई? या जानबूझकर गरीबों के हिस्से में ऐसा कचरा धकेला जा रहा है? क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि इस मामले की तत्काल उच्च स्तरीय जाँच की जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण अनाज उपलब्ध कराया जाए।

संबल योजना बनी सहारा, विधायक भंवरा ने दिलाए लाभ, नगर में वाटर कूलर का शुभारंभ

कांटाफोड़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित संबल योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित की गई। इसी क्रम में कांटाफोड़ क्षेत्र में विधायक मुरली भंवरा ने हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए।

आवास योजना के तहत भी पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विधायक मुरली भंवरा ने कहा कि संबल योजना उन परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जिनके यहां असमय मृत्यु जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार की ये योजनाएं गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

इसके साथ ही नगर में आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन स्थानों पर वाटर कूलर का उद्घाटन किया गया। नगर परिषद द्वारा बस स्टैंड, गांधी चौराहा एवं नगर परिषद परिसर में वाटर कूलर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही नगर पंचायत लोहारदा में भी एक वाटर कूलर का उद्घाटन किया गया। विधायक ने कहा कि भीषण गर्मी में यह पहल लोगों को ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिससे आमजन को काफी राहत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि वाटर कूलर लगाने का सुझाव विधायक मुरली भंवरा ने पूर्व में नगर परिषद के दौरे के दौरान मुख्य नगर पंचायत अधिकारी मुकेश चौबे एवं मुख्य नगर पंचायत अधिकारी सतीश घावरी को दिया था।

संबल योजना के एक हितग्राही स्व. प्यार सिंह के परिवार को तकनीकी कारणों से आवेदन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। इस दौरान विधायक मुरली भंवरा ने स्वयं पहल करते हुए भोपाल स्थित संबंधित कार्यालय से समन्वय कर समस्या का समाधान कराया। स्वीकृति पत्र प्राप्त होने पर अनोखीलाल ने विधायक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि प्राप्त राशि का उपयोग वे अपनी पोती के विवाह में करेंगे, जिससे परिवार को बड़ा सहारा मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त एल्डरमैन द्वारा विधायक मुरली भंवरा का शाल, श्रीफल एवं साफा बांधकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य प्रदीप डाबी, नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाश अमोदिया, पार्षद प्रतिनिधि बलदाऊ दुबे, योगेश पटेल नवनियुक्त एल्डरमैन सत्यनारायण तिवारी, जगदीश राठौर, अशोक बाथम, पार्षद हरिप्रसाद धुंधले, इस्लाम पटेल, यासीन ठेकेदार, शैकी भाटिया, चेतन घावरी एवं आनंद अमोदिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण मुख्य नगर परिषद अधिकारी मुकेश चौबे ने दिया, जबकि आभार प्रदर्शन लोहारदा के मुख्य नगर पंचायत अधिकारी सतीश घावरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पार्षद प्रतिनिधि बलदाऊ दुबे ने किया।

संबल योजना के पंजीकृत हितग्राहियों की मौत पर दो दो लाख की 8 हितग्राहियों को 16 लाख राशि स्वीकृति पत्र बाट

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एकीकृत सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से मध्यप्रदेश के 1307 हितग्राहीयों के खातों में 7,84,200राशि हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर नगर परिषद कार्यालय में लाइव प्रसारण सुना व देखा गया। अध्यक्ष मीना शेखर यादव की उपस्थिति में नगर के 14 संबल हितग्राहियों के परिजनों के खाते में भी राशि डाली गई। नगर के वार्ड 4 के श्यामलाल चौहान व संगीताबाई राठौड, वार्ड 7 अशोक, वार्ड 8 किशोर, वार्ड 9 इकबाल शाह, राजूबाई सिंगाड, वार्ड 13 दिनेश शर्मा व वार्ड 14 के अब्दुल सादिक मंसूरी के निधन पर उनके परिजन के बैंक खाते में दो दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि डॉली गई। संबल योजना में पंजीकृत 8 हितग्राहियों की मौत पर कुल 16 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। इस मौके पर उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पंवार, पार्षद अनिता डॉ संतोष चौहान, सुखराम देवदा, साजिद खान डॉ संतोष चौहान आदि ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार माना।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में 'ज्ञान भारतम्' मिशन के तहत बैठक संपन्न

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की एक प्रमुख पहल ज्ञान भारतम् मिशन, जिसका उद्देश्य भारत की हस्तलिखित विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रचार-प्रसार करना है। गुरूवार को जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टर श्री हर्ष सिंह श्री अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने बताया कि जिले में स्थित निजी शोध संस्थान, मल्टीमीडिया ग्रंथालय, मठ/आश्रम, प्राइवेट ट्रस्ट इत्यादि में संरक्षित प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज कर ज्ञान भारतम् ऐप पर अपलोडिंग अभियान 15 जून, 2026 तक चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा नागरिकों एवं संस्थानों से अपील की गई कि जिनके पास प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियां/दस्तावेज उपलब्ध हैं, वे जिला प्रशासन से संपर्क कर जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। जिनके पास पांडुलिपियां/दस्तावेज हैं, वे अपने पास ही रखें। जिला प्रशासन के कर्मचारी स्वयं उनके पास जाकर वहीं पर पांडुलिपियों/दस्तावेजों को स्कैन कर डिजिटाइज्ड कर ज्ञान भारतम ऐप पर अपलोड करने की कार्यवाही करेंगे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर श्री सृजन वर्मा, एसडीएम श्री अजमेर सिंह गौड़, डिप्टी कलेक्टर श्री राजेश पाटीदार एवं शहर के पांडुलिपि संकलनकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में पांडुलिपि संकलनकर्ताओं द्वारा उनके पास उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियां/दस्तावेज उपलब्ध होना बताया गया।

अवैध गेहूं खरीदी का भंडाफोड़, 500 से अधिक बोरे जब्त

निजी मकान के बाहर संचालित हो रहा था फर्जी केंद्र, मजिस्ट्रेट की कार्रवाई में खुली पोल

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुसनेर समीप ग्राम खजुरी में सरकारी गेहूं खरीदी व्यवस्था में बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट अरुण चंद्रवंशी द्वारा की गई छापामार कार्रवाई में एक अवैध खरीदी केंद्र पकड़ा गया, जो नियमों को दरकिनार कर निजी मकान के बाहर संचालित किया जा रहा था। इस कार्रवाई ने न केवल स्थानीय स्तर पर चल रही अनियमितताओं को उजागर किया है। बल्कि पूरी खरीदी व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम खजुरी में गायत्री स्व सहायता समूह द्वारा बिना किसी अधिकृत अनुमति के गेहूं खरीदी की जा रही थी। हैरानी की बात यह रही कि खरीदी केंद्र किसी शासकीय परिसर या निर्धारित स्थल पर नहीं बल्कि एक निजी घर के बाहर संचालित हो रहा था। जब प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो वहां बड़े पैमाने पर गेहूं का भंडारण और परिवहन गतिविधियां चलती हुई पाई गईं। छापेमारी के दौरान करीब 500 से अधिक नए सरकारी गेहूं से भरे बोरे मौके से बरामद किए गए। इसके अलावा लगभग 250 खाली सरकारी बारदान भी पाए गए जो यह संकेत देते हैं कि यहां लंबे समय से बड़े पैमाने पर खरीदी का कार्य किया जा रहा था। मौके पर 3 से 4 ट्रैक्टर गेहूं से लदे खड़े मिले जिससे स्पष्ट होता है कि किसानों से लगातार खरीदी की जा रही थी और इसे व्यवस्थित रूप से आगे भेजने की तैयारी थी। जांच में यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि संबंधित संस्था को ग्राम खजुरी में खरीदी करने की कोई आधिकारिक अनुमति प्राप्त नहीं थी। सूत्रों के अनुसार, संस्था को सुसनेर क्षेत्र में खरीदी की अनुमति दी गई थी। लेकिन वहां स्लॉट बुक कराकर लगभग 7 किलोमीटर दूर खजुरी में समानांतर रूप से अवैध खरीदी केंद्र संचालित किया जा रहा था। इस दौरान सुसनेर के एक निजी वेयरहाउस में सीमित मात्रा में खरीदी दिखाकर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास भी किया जा रहा था। पूरे मामले में जिला खाद्य अधिकारी (ष्ठस्ह्) की कथित मौखिक अनुमति का हवाला दिया जा रहा है। जिससे इस घोटाले की गंभीरता और बढ़ गई है। बिना किसी लिखित आदेश या स्वीकृति के इस प्रकार बड़े स्तर पर खरीदी का संचालन होना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

एक और गंभीर पहलू यह है कि खरीदी के दौरान गेहूं की गुणवत्ता जांच के लिए कोई अधिकृत सर्वेयर मौजूद नहीं था। ऐसे में किसानों से खरीदे गए गेहूं की गुणवत्ता किस आधार पर तय की जा रही थी। यह भी जांच का विषय बन गया है। इस अवैध खरीदी में किन-किन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका रही है। इसकी भी पड़ताल की जा रही है। प्रशासन यह भी जांच कर रहा है कि जिन किसानों ने इस केंद्र पर अपना गेहूं बेचा उन्हें भुगतान किस प्रकार किया जाएगा और कहीं वे आर्थिक नुकसान का शिकार तो नहीं होंगे। इसके साथ ही जब्त किए गए गेहूं का आगे क्या किया जाएगा, यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है।

गौरतलब है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव लगातार गेहूं खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए सख्त निर्देश दे रहे हैं तथा स्वयं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। ऐसे में उनके ही गृह संभाग क्षेत्र में इस प्रकार की गंभीर लापरवाही और अनियमितता सामने आना प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। फिलहाल प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। जिम्मेदारों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही जा रही है। अब देखना होगा कि इस बड़े घोटाले में शामिल दोषियों पर कब तक कार्रवाई होती है और किसानों को न्याय कैसे मिल पाता है।

इनका कहना- खजुरी में बिना अनुमति के गेहूं खरीदी केंद्र संचालित होने की सूचना पर छापामार कार्रवाई की गई। मौके से बड़ी मात्रा में गेहूं और सरकारी बारदान बरामद किया गया है। प्रथम दृष्टया नियमों का उल्लंघन पाया गया है। मामले की जानकारी जिला प्रशासन को भेज दी गई है और आगे की कार्रवाई जारी है।

-अरुण चंद्रवंशी, कार्यपालक मजिस्ट्रेट सुसनेर

खजुरी में किसी भी प्रकार का फर्जी खरीदी केंद्र संचालित नहीं हो रहा था। वेयरहाउस भरने के बाद समिति स्तर पर अन्य स्थानों पर खरीदी करना निर्धारित प्रक्रिया है। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

-आर.एल. मालवीय, जिला खाद्य अधिकारी आगर मालवा

विभाग द्वारा जब्त वाहनों की नीलामी हेतु निविदा आमंत्रित

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वनमंडलाधिकारी, सामान्य वनमंडल बुरहानपुर द्वारा वन अपराध प्रकरणों में जब्त किए गए वाहनों के विक्रय हेतु आम नागरिकों से निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खंडवा वन वृत्त के अंतर्गत बुरहानपुर वनमंडल की विभिन्न परिक्षेत्रों में रखे गए जब्त वाहनों का विक्रय जैसी स्थिति है के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए प्रथम निविदा दिनांक 11 मई, 2026 तक आमंत्रित है। यदि निर्धारित तिथि तक पर्याप्त या वैध निविदाएं प्राप्त नहीं होती हैं, तो द्वितीय निविदा 18 मई, 2026 तथा आवश्यकतानुसार तृतीय निविदा 25 मई 2026 को आमंत्रित की जाएगी। निविदा प्रपत्र, शर्तें एवं विस्तृत जानकारी मध्यप्रदेश वन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.mpforest.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति कार्यालयीन समय में वनमंडल कार्यालय, बुरहानपुर से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नीलामी में मोटरसाइकिल, कार, जीप, पिकअप एवं अन्य वाहन शामिल हैं, जो विभिन्न वन परिक्षेत्र कार्यालयों एवं रेंज डिपो में रखे हुए हैं। अधिक जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति संबंधित कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटील के निवास पहुंचे उपमुख्यमंत्री व मंत्री, दी श्रद्धांजलि

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय बुरहानपुर के ग्राम बोहरडा पहुंचे।दोनों ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटील के निवास पर पहुंचकर उनके अनुज स्व. विश्वनाथ पाटील (बाडू भाई) के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार को संबल प्रदान किया।

जनगणना-2027 के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना-2027 के संबंध में जनगणना निदेशालय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। बैठक में 1 मई से प्रारंभ होने वाली डोर-टू-डोर जनगणना गतिविधियों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा एवं समय-सीमा निर्धारित करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में बताया गया कि प्रारंभिक तीन दिनों में प्रगणकों द्वारा क्षेत्र में भ्रमण कर रफ लेआउट तैयार किया जाएगा तथा लेखन संबंधी कार्य संपादित किए जाएंगे। इसके साथ ही कार्य की चरणबद्ध प्रगति हेतु लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। 5 मई तक 10 प्रतिशत, 10 मई तक 40 प्रतिशत, 15 मई तक 70 प्रतिशत तथा 20 मई तक 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वहीं 20 मई से 30 मई तक मॉप-अप राउंड संबंधी कार्य संपादित किए जाएंगे। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए फील्ड विजिट सुबह अथवा शाम के समय करने तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए ह्रक्रू की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

वीसी के उपरांत कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि जनगणना भारत सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक कार्य है तथा इसके सफल संचालन में सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों एवं नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इस कार्य को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए।

कलेक्टर ने बताया कि जिले के 835 ग्रामों को 280 ब्लॉकों में विभाजित कर 2000 से अधिक प्रगणकों एवं 339 पर्यवेक्षकों के माध्यम से जनगणना कार्य संचालित किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रगणक निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित जानकारी संकलित करें तथा प्रत्येक परिवार तक पहुंच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि चार्ज अधिकारी नियमित रूप से फील्ड का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की समीक्षा करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने गर्मी के प्रभाव को देखते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में पेयजल, ह्रक्रू एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रखने के लिए कहा तथा फील्ड विजिट सुबह एवं शाम के समय करने के निर्देश दिए, ताकि कर्मचारियों को लू एवं अत्यधिक तापमान से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर आवश्यकतानुसार प्रतिबंध लगाया जाए, जिससे कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके। साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कंट्रोल रूम सक्रिय रूप से संचालित कर उनकी जानकारी व्यापक स्तर पर प्रसारित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने समस्त ग्रामीण एवं नगरीय निकायों, सामाजिक संगठनों, ग्राम समितियों, मोहल्ला समितियों एवं आम नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में प्रगणकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। वीडियो कॉन्फ्रेंस में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृति संस्था द्वारा मेरा जीवन मेरे अनुभव कार्यक्रम का आयोजन 3 मई को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की प्रतिष्ठित साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था कृति द्वारा आगामी 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस एवं नारद जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम मेरा जीवन मेरे अनुभव आयोजित किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, सचिव रघुनंदन पाराशर और प्रचार सचिव एडवोकेट कृष्णा शर्मा ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन 3 मई (रविवार) को रात 8ः00 बजे एलआईसी रोड स्थित शिक्षक सहकार भवन में संपन्न होगा।

वरिष्ठ पत्रकार साझा करेंगे अनुभव- इस गरिमामयी कार्यक्रम में पत्रकारिता जगत की दो हस्तियां मुकेश सहारिया, ब्यूरोचीफ, पत्रिका और कपिलसिंह चौहान सम्पादक, द वॉचमैन पोस्ट अपने अनुभवों को श्रोताओं से रूबरू कराएंगे। दोनों अतिथि वक्ता अपने दीर्घकालीन पत्रकारिय जीवन के उतार-चढ़ाव, चुनौतियां और यादगार संस्मरण साझा करेंगे। कृति परिवार ने शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, साहित्य प्रेमियों और मीडिया जगत से जुड़े लोगों से इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

मानव अधिकार आयोग सख्त- नीमच में छत पर बदहाल मिली महिला मामले में आयोग ने लिया संज्ञान, मांगा जवाब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक चौंकाने वाले मामले में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। आयोग के माननीय अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए इसे प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन का गंभीर मामला माना है और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। मामला नीमच जिले के इंदिरा नगर क्षेत्र का है, जहां एक महिला अपने ही घर की छत पर अत्यंत दयनीय और कुपोषित अवस्था में मिली। भीषण गर्मी के बीच महिला खाट पर पड़ी हुई थी और उसकी हालत बेहद चिंताजनक बताई गई। जानकारी के अनुसार लंबे समय से उचित देखभाल और भोजन के अभाव में महिला का शरीर पूरी तरह कमजोर और बदहाल हो चुका था। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर महिला का रेस्क्यू किया। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू में उपचार के बाद हालत स्थिर होने पर सेवाधाम में शिफ्ट किया गया है। इस संवेदनशील मामले को गंभीरता से लेते हुए मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, नीमच को नोटिस जारी कर पूरे प्रकरण की जांच कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना प्रारंभ

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल एवं अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों, पुलिस, होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए गुणवत्तापूर्ण आवासीय प्रशिक्षण के माध्यम से बेहतर अवसर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा एक नवीन योजना अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं हेतु ÷शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना÷ तैयार की गई है। मध्यप्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना, अनुशासन एवं कर्तव्य बोध विकसित करते हुए प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को गुणवत्तपूर्ण आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। जिसमे शारीरीक प्रशिक्षण के साथ-साथ सैद्धांतिक विषयों में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निशुल्क एवं आवासीय है। इस योजनांतर्गत खण्डवा जिले में पिछड़ा वर्ग के 100 बालक एवं 100 बालिकाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण अवधि में चयनित पात्र पुरुष प्रशिक्षणार्थियों को राशि 1000 रुपये प्रतिमाह तथा पात्र महिला प्रशिक्षणार्थियों को राशि रूपये 1100 रुपए प्रतिमाह की दर से शिष्यवृत्ति भी उपलब्ध करायी जाएगी। यह आवासीय प्रशिक्षण है, जिसकी कुल अवधि 45 दिवस निर्धारित है। इस योजना में सम्मिलित होने के लिए आवेदक की शैक्षणिक योग्यता 12 वी उत्तीर्ण निर्धारित की गई है।

इसके अलावा आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए घोषित अनुसूचि में सम्मिलित अन्य पिछड़ा वर्ग का मध्यप्रदेश राज्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी नॉन कीमीलेयर जाति प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है।सैन्य बल एवं समकक्ष सुरक्षा बलों, पुलिस बल, होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती हेतु निर्धारित आयु सीमा मान्य होगी। अभ्यर्थी की शारीरिक माप-न्यूनतम ऊँचाई पुरुष के लिए 168 से.मी. एवं महिला के लिए 155 से.मी. निर्धारित की गई है। आवेदक के पैरों के तलवे फ्लैट फुट श्रेणी के नहीं होना चाहिए। साथ ही सावधान की मुद्रा में आवेदक के घुटने परस्पर नहीं मिलना चाहिए। अन्य शारीरीक मापदण्ड जैसे दृष्टि, जबडे, निरोगी होना एवं अन्य निर्धारित मापदण्ड संतोषजनक होना आवश्यक है। सैद्धांतिक प्रशिक्षण योग्य एवं अनुभवी ट्रेनर के निर्देशन में निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति, गणित, कम्प्यूटर, अंग्रेजी एवं अन्य आवश्यक विषयों का प्रतिदिन 4 घण्टे प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा शारीरिक प्रशिक्षण योग्य एवं अनुभवी ट्रेनर के निर्देशन में प्रतिदिन 3 घण्टे प्रातः एवं सायंकाल में दिया जाएगा जिसमें रनिंग, ऊँची कूद, गोला फेक, भाला फेक, एवं अन्य समकक्ष खेल-कूद गतिविधियां शामिल होंगी। इसके लिए पुरुष अभ्यर्थियों हेतु पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास आनंद नगर खण्डवा में तथा महिला अभ्यर्थियों हेतु पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास एम.एल.बी. परिसर खण्डवा निर्धारित किया गया है।आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 मई 2026 है तथा प्रशिक्षण दिनांक 12 मई से विधिवत प्रारंभ होगा।

1 मई से शुरू होगा जनगणना का दूसरा चरण, प्रगणक सही एच.एल.ओ. एप से करें एंट्री

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना कार्य के आगामी चरण की तैयारियों को लेकर गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनगणना निदेशक मध्य प्रदेश श्री संजीव श्रीवास्तव द्वारा प्रदेश के सभी चार्ज अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में 1 मई से प्रारंभ होने वाले जनगणना कार्य के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए गए।

वी.सी. में दिए गए मुख्य निर्देश- एप से एंट्री प्रारंभ- सभी प्रगणक 1 मई से जनगणना के सही एच.एल.ओ. एप को डाउनलोड कर मकानों की एंट्री प्रारंभ करें।

डाटा सिंक का कार्य- सभी जनगणना पर्यवेक्षक 5 मई तक डाटा सिंक करने का कार्य प्रारंभ करें।

समयबद्ध लक्ष्य- प्रगणकों को 5 मई तक 10 प्रतिशत एवं 10 मई तक 40 प्रतिशत कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है।

पोर्टल लॉगिन- सभी चार्ज अधिकारी जनगणना पोर्टल पर स्वयं लॉगिन कर व्यवस्थाओं को अच्छी तरह देख लें। एप लॉगिन संबंधी समस्याओं का समाधान चार्ज स्तर पर ही किया जाएगा।

क्षेत्र भ्रमण- सभी चार्ज अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में जनगणना कार्य के दौरान समय-समय पर भ्रमण कर जायजा लेने के निर्देश दिए गए।

सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रगति- वी.सी. में बताया गया कि प्रदेश में सेल्फ एन्यूमरेशन का कार्य सराहनीय रहा है। अब तक 5.80 लाख से अधिक सेल्फ एन्यूमरेशन फॉर्म भरे जा चुके हैं। शत-प्रतिशत सेल्फ एन्यूमरेशन कार्य पूर्ण कराने वाले प्रगणकों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित भी किया जाएगा।

अवकाश संबंधी निर्देश-कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निर्देशित किया कि प्रगणक व सुपरवाईजरों का अवकाश संबंधित चार्ज अधिकारियों द्वारा ही स्वीकृत किया जाएगा, चाहे वे किसी भी विभाग के हों। चार्ज अधिकारियों का अवकाश जनगणना अवधि में कलेक्टर कार्यालय द्वारा स्वीकृत किया जाएगा।

वी.सी. में उपस्थित अधिकारी- इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, जिला जनगणना अधिकारी श्री पराग जैन सहित सभी एसडीएम एवं चार्ज अधिकारी उपस्थित थे।

हिस्से की जमीन ने छीनी जानः जीरन के पाड़वा खुर्द में भाई ने भाई को चाकू मारकर मौत के घाट उतारा, रात में बहस भड़की और बन गई खून-खराबे की वजह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जीरन थाना क्षेत्र के पाड़वा खुर्द गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर चला आ रहा विवाद आखिरकार खून-खराबे में बदल गया। एक सगे भाई ने गुस्से में आकर दूसरे भाई पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

रात में भड़का विवाद, जानलेवा हुआ हमला- मृतक की पहचान भेरूलाल मीणा (30) के रूप में हुई है। बुधवार रात करीब 10ः30 बजे घर में ही उसके और भाई नारूलाल के बीच जमीन के हिस्से को लेकर बहस शुरू हुई।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। कई बार पहले भी कहासुनी हो चुकी थी लेकिन इस बार विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने चाकू उठाकर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

मौके पर ही मौत, आरोपी भी घायल- हमले में भेरूलाल गंभीर रूप से घायल हुआ और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के दौरान आरोपी नारूलाल भी घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस की कार्रवाई- घटना की सूचना मिलते ही जीरन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता धारा 103 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

परिवार पर टूटा दुख का पहाड़- मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और परिजन गहरे सदमे में हैं।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, बड़वानी में रैबीज दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रेबीज जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना तथा इसके बचाव के उपायों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यालय की नर्स सुश्री प्रिया जाधव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रेबीज के खतरों और इससे बचाव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेबीज एक जानलेवा बीमारी है, जो मुख्यतः संक्रमित जानवरों के काटने से फैलती है, विशेषकर कुत्तों के माध्यम से। इसके पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को एक्टिविटी केद्वारा रेबीज के लक्षणों के बारे में बताया, जैसेकृघाव के आसपास झनझनाहट, बुखार, बेचौनी, पानी से डर (हाइड्रोफोबिया) आदि। साथ ही, यह भी बताया गया कि यदि किसी को जानवर काट ले, तो तुरंत घाव को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए और बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर एंटी-रेबीज टीका लगवाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्रीमान कुंदन राठौर ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस बीमारी के प्रति जागरूक करें और आवश्यक सावधानियां अपनाएं।इस प्रकार, रेबीज डे का यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक साबित हुआ। कार्यक्रम के दौरान समस्त स्टाफ एवं स्वास्थ्य विभाग प्रभारी श्रीमती रश्मि सोनी भी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय प्रायोगिक विज्ञान प्रशिक्षण का सफल समापन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बड़वानी में आयोजित तीन दिवसीय प्रायोगिक विज्ञान प्रशिक्षण का समापन दिनांक 30 अप्रैल 2026 को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन जिला प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी एवं जिला शिक्षा कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

समापन अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती शीला चौहान, एपीसी श्री जादूसीह परमार, डाइट प्रभारी श्रीमती अश्विनी ग्वाले , प्राचार्य श्रीमती करुणा बेस, मास्टर ट्रेनर श्री प्रशांत वर्मा और श्री शुभम भावसार सहित अन्य गणमान्य अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण के दौरान किए गए प्रयोगों, गतिविधियों एवं नवाचारों का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षणार्थियों के कार्यों की सराहना की।

तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को प्रयोगशाला उपकरणों के उपयोग, कम लागत में प्रयोगों के संचालन, वैज्ञानिक अवधारणाओं के व्यवहारिक प्रदर्शन तथा लॉगबुक संधारण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रायोगिक गतिविधियों में भाग लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रोचक एवं परिणामोन्मुख बनती है, जिससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने विद्यालयों में इन प्रयोगों को लागू कर विद्यार्थियों को अनुभवात्मक शिक्षण से जोड़ें। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

किसान की सुविधा सर्वोपरि- कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरुवार को ÷किसान की सुविधा सर्वोपरि÷ के संकल्प के साथ जिले के गेहूं उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

उपार्जन केंद्रों पर किसानों से सीधा संवाद- कलेक्टर ने हरखियाखाल चौराहे के समीप वेदान्ता वेयर हाउस स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र चल्दू एवं कृषि उपज मण्डी जीरन में स्थापित दो केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ खड़े किसानों से चर्चा कर गेहूं तोल में लगने वाले समय, छाया-पेयजल, बारदाना, हम्मालों की उपलब्धता एवं भुगतान व्यवस्था की बारीकी से जानकारी ली। कलेक्टर ने स्वयं उपार्जित गेहूं की गुणवत्ता भी परखी।

किसानों के हित में बड़े निर्देश- सुविधा में तत्काल वृद्धि- सभी उपार्जन केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटों और हम्मालों की संख्या तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए।

त्वरित भुगतान- भुगतान में आ रही समस्याओं का वेयर हाउस व खाद्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान करने के निर्देश।

सुचारू परिवहन- उपार्जित गेहूं के भण्डारण एवं परिवहन की त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

लहसुन किसानों से मंडी में सीधा संवाद- कलेक्टर श्री चंद्रा जीरन मण्डी के लहसुन शेड पहुंचे और राजस्थान से आए किसान श्री बजेराम सहित अन्य लहसुन उत्पादकों से चर्चा कर उपज की गुणवत्ता व भाव जाने। किसानों द्वारा लहसुन की क्वालिटी खराब होने की समस्या बताने पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से समस्या का समाधान कराया जाएगा तथा रोग निवारण हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मण्डी सचिव को लहसुन उत्पादक किसानों की संगोष्ठी आयोजित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी- डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन, सुश्री श्रुति भयड़िया, सहायक आयुक्त सहकारिता श्री राजू डाबर, जि.के.स.बैंक के श्री आर.पी.नागदा, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन.दिवाकर, मण्डी सचिव श्री उमेश बसेड़िया, जीरन मण्डी प्रभारी श्री अनिल सिंह परिहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम गुड़ी, सिंगोट, पिपलोद और हीरापुर का किया दौरा

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने गुरुवार को जिले के खंडवा एवं पंधाना विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राम गुड़ी, सिंगोट, हीरापुर एवं पिपलोद का दौरा किया। भ्रमण के दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान, एसडीएम पन्धाना एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्री दिनेश सांवले तथा एसडीएम खंडवा श्री ऋषि सिंघई सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि किसानों को उपार्जन केंद्रों पर कोई समस्या ना आए, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में हम्मालों को तैनात करने और पर्याप्त संख्या में तोल कांटे लगवाने के निर्देश दिए ताकि किसानों को गेहूं तुलाई में अधिक समय ना लगे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान नमी मापक यंत्र, तौल कांटे और बारदानों की व्यवस्था की भी उपस्थित अधिकारियों और वेयरहाउस संचालकों से जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि गेहूं की तुलाई का कार्य देर से शुरू होता है, जिससे किसानों को इंतजार करना पड़ता है। जिस पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने नाराजगी प्रकट की, और सभी उपार्जन केंद्रों पर प्रातः 8 बजे से गेहूं एवं चना तुलाई का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम गुड़ी के उपार्जन केंद्र में अतिरिक्त तौल कांटे लगाकर गेहूं तुलाई कार्य की गति बढ़ाने के लिए कहा। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण के दौरान किसानों से भी चर्चा की, और किसानों को उर्वरक के अग्रिम भंडारण की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि ई-टोकन के माध्यम से किसान अपनी जरूरत के अनुसार खाद का अग्रिम उठाव कर सकते हैं। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सावले को ई-टोकन व्यवस्था के संबंध में समिति स्तर पर किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' हेतु समन्वय बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिविर के उद्देश्यों, व्यवस्थाओं एवं सहभागिता बढ़ाने संबंधी विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि आरोह 2026 शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान एवं प्रोफाइलिंग करना है। इसके साथ ही व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता निर्माण, युवाओं को नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूक करना, परिवार एवं समाज को फिटनेस एवं संस्कृति से जोड़ना तथा महिलाओं को आत्मरक्षा संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करना भी शिविर के प्रमुख उद्देश्य हैं।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने बैठक में निर्देश दिए कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष शिविर में युवाओं एवं विद्यार्थियों की सहभागिता में कम से कम 20 प्रतिशत वृद्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों, क्लबों एवं संस्थाओं से भी शिविर के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की।

बैठक में कलेक्टर ने खेल एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के दौरान पेयजल, ह्रक्रू, मेडिकल किट एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने युवाओं एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके सुझाव प्राप्त किए तथा खेल संसाधनों से संबंधित मांगों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपाल सिंह महोबिया, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री विजय सलाम एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. जन अभियान परिषद की दृष्टि योजना अंतर्गत पंख कार्यक्रम के तहत् स्वैच्छिक संगठनों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभाकक्ष में किया गया। सर्वप्रथम जिला समंवयक सुश्री ज्योति वर्मा द्वारा बैठक की रुपरेखा रखी गई, जिसमे म.प्र. जन अभियान परिषद की योजनाओ एवं किये गये कार्यों के बारे में पावर पाइंट के माध्यम से कलेक्टर एवं उपस्थित स्वैच्छिक संगठनो के प्रतिनिधियोको जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में जिले में कार्यरत 52 स्वयं सेवी संस्थाओ द्वारा सहभागिता की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रही कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कि जाने वाली गतिविधियो के निर्देश दिये गये साथ ही बडवानी व राजपुर की पहाडीयो पर सीपीटी के अंतर्गत कार्य करने हेतु स्वैच्छिक संगठनों से आह्वान किया गया । उन्होने कहा कि सामाजिक संस्थाए समाज मे उल्लेखनीय कार्य कर रही है, ऐसी संस्थाए लोगो को प्रेरित कर आगामी समय मे पहाड़ियो पर श्रमदान गतिविधियो का कार्य किया जाना है, जिससे प्रशासन व स्वैच्छिक संगठन साथ मिलकर जल बचाव के कार्य में आमजनो की सहभागिता अधिक से अधिक कराई जा सके।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सिंहस्थ के दौरान बिजली आपूर्ति व्यवस्था का काम जांचने निकले अधिकारी

चार नए 33/11 केव्ही सब स्टेशन का निरीक्षण – तेजी से काम करने, नाले डायवर्जन और सौंदर्यीकरण के भी दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान बुधवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने ऊर्जा विभाग द्वारा बनाए जा रहे नए विद्युत सब स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन में बिजली व्यवस्था सबसे अहम है, इसलिए सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा में हर हाल में पूरे किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के माध्यम से चार नए 33/11 केव्ही सब स्टेशन बनाए जा रहे हैं। ये सब स्टेशन चारधाम क्षेत्र (2म5 एमवीएम), सदावल रोड नागतलाई (2म10 एमवीएम), वाल्मीकि धाम (2म10 एमवीएम) और नानाखेड़ा क्षेत्र (2म10 एमवीएम) में तैयार हो रहे हैं। इनसे मेला क्षेत्र, घाटों और पूरे शहर में निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाएगी।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सिंहस्थ-2028 को विश्वस्तरीय स्वरूप देना है। इसी लक्ष्य के तहत श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी विभागों को तेज गति से काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तीन जगह कार्य चल रहा, नानाखेड़ा पर काम शुरू- विद्युत मंडल के अधिकारियों ने बताया कि तीन स्थानों पर सिविल कार्य पूर्ण होने के बाद विद्युत कार्य तेजी से चल रहा है, जबकि नानाखेड़ा क्षेत्र में भूमि आवंटन के बाद निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री पल्लवी तेंलग और अधीक्षक यंत्री वीके मालवीय ने विस्तार से जानकारी दी।

सब स्टेशन परिसर में लगे फूलदार पौधे- वाल्मीकि धाम क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने विशेष रूप से सौंदर्यीकरण पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सब स्टेशन परिसर में फूलदार और सजावटी पौधे लगाए जाएं, ताकि परिसर आकर्षक दिखाई दे। इसके साथ ही निर्माणाधीन रिटनिंग वॉल के पीछे बह रहे नाले को व्यवस्थित रूप से डायवर्ट करने के निर्देश भी दिए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो।निरीक्षण के दौरान ऊर्जा विभाग के कार्यपालन यंत्री सतीश कुमरावत और सिविल इंजीनियर पीके शर्मा भी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में जिले के अमृत 2.0 योजना अंतर्गत किए जा रहे सीवरेज कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में अमृत 2.0 अंतर्गत किए जा रहे सीवरेज कार्यों की समीक्षा बैठक गुरुवार दोपहर सिंहस्थ मेला कार्यालय के कंट्रोल रूम में आयोजित की गई।बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा,नगर निगम अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, नगर निगम के इंजीनियर्स और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम विभिन्न जोनों में किए जा रहे सीवरेज कार्यों की समीक्षा कर कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ कार्ययोजना में उल्लेखित निर्धारित समय सीमा के अनुसार कार्य करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्माण एजेंसियों को मानव संसाधन और मशीनों की संख्या बढ़ाकर कार्य प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रगतिरत निर्माण कार्य कितने घंटे चल रहा है की जानकारी प्राप्त कर कार्य सुबह 8 बजे से चालू करने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि जोन 1 के कोलूखेड़ी में सीवरेज का कार्य दिसम्बर तक पूर्ण किया जाना है, अभी खुदाई का कार्य प्रगतिरत है। जोन 3 के चकोर पार्क के लिफ्ट पंपिंग स्टेशन के कार्य में साइट क्लियरेंस का कार्य प्रगतिरत है। जल्दी ही खुदाई का कार्य शुरू किया जाएगा। जोन 3 के खिलचीपुर में निर्माणाधीन सीवरेज पंपिंग स्टेशनों के कार्य में खुदाई का कार्य प्रगतिरत है।

जोन 5 के चंदेसरी स्थित लिफ्ट पंपिंग स्टेशन के निर्माणाधीन कार्य में पीसीसी क्यूरिंग का कार्य किया जा रहा है। जोन 5 के हामुखेड़ी स्थित लिफ्ट पंपिंग स्टेशनों के कार्य भी किए जा रहे हैं। जोन 7 के सावराखेड़ी स्थित इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन के कार्य में डिजाइन ड्राइंग का कार्य पूर्ण होने के बाद खुदाई का कार्य किया जाएगा। जोन 8 के सुरासा स्थित लिफ्ट पंपिंग स्टेशन के कार्य में साइट क्लियरेंस, लेआउट के कार्य पूर्णता के बाद खुदाई का कार्य प्रगतिरत है।

48 घंटों में 2 डिग्री से अधिक गिरा तापमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पिछले दो दिनों में तापमान में करीब 2 डिग्री से अधिक की गिरावट आई है। तापमान में इस कमी के कारण गर्मी की चुभन भी थोड़ी कम हुई है, जिससे लोगों को राहत मिली है। हालांकि अभी भी दोपहर में तेज धूप में निकलना मुश्किल है। वेधशाला के अनुसार आज से अगले कुछ दिनों में तापमान में और भी कमी देखने को मिलेगी और यह 40 डिग्री के नीचे नजर आएगा। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा, लेकिन परसों की अपेक्षा 1 डिग्री कम था। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहा, जो सामान्य, लेकिन कल की अपेक्षा 2 डिग्री कम था। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी रही और अधिकतम रफ्तार 12 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची। पिछले दो दिनों से तुलना करें तो जहां दिन का तापमान 42.4 डिग्री पर था, वहीं रात का 26 डिग्री के आगे चल रहा था। इस तरह दो दिनों में करीब 2.4 डिग्री की गिरावट आई है। वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के अनुसार आज तापमान 40 डिग्री से भी नीचे जा सकता है। अगले 8 से 10 दिनों तक तापमान ऐसा ही रहेगा। इस दौरान बादलों की आवाजाही भी बनी रहेगी, जिससे दिन में भी तीखी धूप से थोड़ी राहत मिलेगी। इस बीच पारा गिरकर 36 से 37 डिग्री तक भी जा सकता है। इसके बाद एक बार फिर तापमान में तेजी देखने को मिलेगी।

गोधूलि बेला में गूंजा जय नृसिंह... श्रद्धा और उल्लास से मना प्राकट्योत्सव

छोटा सराफा से निकली भव्य शोभायात्रा, सुबह अभिषेक-पूजन और शाम को महाआरती में उमड़ा जनसैलाब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नृसिंह चतुर्दशी के अवसर पर भगवान नृसिंह का प्राकट्योत्सव गुरुवार को शहरभर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। विभिन्न नृसिंह मंदिरों में दिनभर धार्मिक आयोजन हुए, वहीं गोधूलि बेला में निकली शोभायात्राएं और विशेष आरतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

छोटा सराफा स्थित श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर में सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ हो गई थी। प्रातःकालीन आरती के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद विशेष अभिषेक-पूजन संपन्न हुआ। दोपहर में भगवान को 108 कमल पुष्प अर्पित कर विशेष अर्चना की गई और भक्तों को महाप्रसादी वितरित की गई।

शाम 6ः45 बजे गोधूलि बेला में मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। खास बात यह रही कि परंपरा के अनुसार एक श्रद्धालु ने भगवान नृसिंह का स्वरूप धारण कर नगर भ्रमण किया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया।

आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम- धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान नृसिंह ने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए अवतार लिया था। इसी आस्था के प्रतीक इस पर्व पर शहर में जगह-जगह जय नृसिंह के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने पूरे दिन उपवास रखकर पूजा-अर्चना की और भगवान से सुख-समृद्धि की कामना की।

नृसिंह घाट पर भी गूंजे जयकारे- शिप्रा तट स्थित नृसिंह घाट के प्राचीन श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर में भी सुबह से विशेष पूजन-अर्चनाएं की गईं। पवमान स्तोत्र के साथ अभिषेक कर भगवान को नवीन वस्त्र और आभूषणों से सजाया गया। शाम 6ः30 बजे महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस्कॉन मंदिर में दिनभर चला उत्सव- भरतपुरी स्थित इस्कॉन मंदिर में भी नृसिंह प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह मंगल आरती से शुरू हुए कार्यक्रम में दिनभर दर्शन, पूजन और कथा श्रवण का आयोजन हुआ। शाम को महाभिषेक और महाआरती के साथ उत्सव का समापन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। पूरे शहर में नृसिंह प्राकट्योत्सव के दौरान भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला। मंदिरों में उमड़ी भीड़ और गूंजते जयकारों ने उज्जैन को भक्तिमय बना दिया।

बाइक से गिरी वृद्धा की सिर में चोट लगने से मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रसोई बनाने के लिए हलवाई के साथ बाइक से जा रही वृद्धा अचानक गिर पड़ी। सिर में गंभीर चोट लगने पर उज्जैन लाया गया। कुछ देर बाद वृद्धा की मौत हो गई। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि उन्हेल के ग्राम करनावद में रहने वाली 68 वर्षीय मुन्नीबाई पति कन्हैयालाल सोनी को बुधवार शाम घायल हालत में आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज लाया गया था। रात में मुन्नीबाई की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया और शव पोस्टमार्टम के लिए चरक अस्पताल लाया गया। इस दौरान सामने आया कि मुन्नीबाई शादी समारोह में रसोई बनाने का काम करती थी। बुधवार को हलवाई के साथ बाइक पर सवार होकर महिदपुर जा रही थी। रास्ते में अचानक गिरने पर घायल हुई थी। पुलिस के अनुसार मामला जांच के लिए संबंधित थाना पुलिस को भेजा जाएगा। फिलहाल पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तीन साल की बालिका ने पीया डीजल- आगर-मालवा से तीन साल की अनुष्का पिता विक्रम राठौर को परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अनुष्का की हालत गंभीर थी। उपचार के दौरान रात में बालिका की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बालिका ने खेलते समय घर में प्लास्टिक की बोतल में भरकर रखा गया डीजल पी लिया था। जिससे उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन आगर अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां से उसे उज्जैन रैफर किया गया था।

सिंहस्थ पुलिस वॉलेंटियर्स भर्ती की खबरें भ्रामक... एमपी पुलिस ने किया खंडन

भर्ती नहीं, केवल सामुदायिक सहयोग के लिए हो रहा चयन –फर्जी जानकारी फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश ने सोशल मीडिया पर चल रही सिंहस्थ पुलिस वॉलेंटियर्स की भर्ती संबंधी खबरों को पूरी तरह भ्रामक और असत्य बताया है। जारी विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि इस तरह की कोई भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में नहीं की जा रही है।

दरअसल, हाल ही में उज्जैन में आयोजित एक कार्यशाला के दौरान विभिन्न जिलों के पुलिस अधिकारियों को नगर एवं ग्राम रक्षा समितियों के पुनर्गठन के निर्देश दिए गए थे। इन समितियों के सदस्यों को सिंहस्थ महापर्व के दौरान फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में उपयोग करने की योजना है, न कि नियमित पुलिस भर्ती के तहत नियुक्ति देने की। पुलिस मुख्यालय ने यह भी साफ किया है कि इन वॉलेंटियर्स का चयन सामुदायिक पुलिसिंग के तहत स्वयंसेवक के रूप में किया जाएगा। इनके मानदेय या अन्य सुविधाओं को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और मामला विचाराधीन है।

विज्ञप्ति में नागरिकों से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही भ्रामक जानकारी और वीडियो पर ध्यान न दें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि ऐसी झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने वाले पुलिसकर्मियों या अन्य व्यक्तियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन जागरुकता के लिए दीवार लेखन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जन जागरुकता के कार्य किए जा रहे है। अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न विभागों की समेकित पहल से जन जागरुकता, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भू जल संवर्धन, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के कार्य निरंतर किए जा रहे है। अभियान से अधिक से अधिक जन समुदाय जुड सके इसके लिए जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी कडी में खाचरौद विकासखंड के ग्राम नायन में दीवार लेखन का कार्य किया गया। इसके माध्यम से आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरुक करने के लिए प्रेरक संदेश लिखे गए।

''दीवार लेखन में जल हैं जीवन का सोना, इसे तुम कभी मत खोना'', पानी है जीवन की धारा, जिससे जुडा है सबका संसार, एक बूंद जल लाखों जीवन जैसे संदेश लिखे गए। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य यहीं है कि प्रत्येक गांव, प्रत्येक नागरिक जल संरक्षण के प्रति जागरुक बने, संरक्षण का संकल्प लें और अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास कर के पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

होटल कर्मचारी की करंट लगे से मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होटल में काम करने वाले कर्मचारी को रात में करंट लगा, उपचार के लिए उसे चरक अस्पताल लाया गया 2 घंटे चले उपचार के बाद कर्मचारी की मौत हो गई।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि रात 12 बजे के लगभग चरक अस्पताल से सूचना मिली थी कि माधव क्लब मार्ग समतारा होटल में काम करने वाले गोपाल पिता रामजी निवासी उदयपुर को करंट लगने से बेहोशी हालत में कुछ लोग अस्पताल लेकर पहुंचे हैं। पुलिस बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची लेकिन बेहोशी की हालत में होने पर पूछताछ नहीं हो पाई तभी रात 2 बजे खबर मिली कि गोपाल की मौत हो गई है। पुलिस के अनुसार परिजनों को सूचना दी गई है गोपाल कुछ सालों से होटल में काम कर रहा था उसे करंट कैसे लगा इसकी जांच की जा रही है परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

गोताखोरों ने निकाला शिप्रा में छलांग लगाने वाले युवक का शव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिंतामण ब्रिज से बुधवार दोपहर युवक ने शिप्रा नदी में छलांग लगा दी थी। पुलिस ने डेढ़ घंटे में शव खोज निकाला था। देर शाम पहचान होने पर सामने आया कि युवक बहन के साथ उज्जैन आया था।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि चिंतामण ब्रिज से एक युवक के शिप्रा नदी में कूदने की जानकारी सामने आने के बाद गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश शुरू कराई गई थी। डेढ़ घंटे की तलाश के बाद उसकी शव बाहर निकाल लिया गया था। देर शाम इंगोरिया के समीप सुवासा का रहने वाला पाटीदार परिवार नीलगंगा थाने पहुंचा और अंकित पिता विनोद पाटीदार 22 साल के लापता होने की बात कही। पुलिस ने शिप्रा में कूदने वाले मृतक युवक का फोटो दिखाई तो परिवार ने पहचान कर ली।

गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि अंकित अपनी बहन ज्योति के साथ उज्जैन आया था। बहन अपना उपचार करने के लिए निजी अस्पताल आई थी। अंकित ने अपने दोस्त से मिलने की बात कही थी और जंतर मंतर के समीप रुक गया था। बहन अस्पताल चली गई थी लेकिन अंकित देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की गई और इंगोरिया पुलिस को सूचना दी गई जहां पता चला कि एक युवक की बॉडी पुलिस को नदी से मिली है। परिजनों का कहना था कि कुछ साल पहले अंकित दुर्घटना में घायल हो गया था उसके पैर में रॉड डली थी और एक हाथ से दिव्यांग हो गया था। उसके बाद से ही अंकित का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। पुलिस ने फिलहाल अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंपा है। परिजनों के बयान दर्ज कर जांच शुरू की जाएगी।

उज्जैन में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का आंकड़ा पहुंचा 2 लाख 6 हजार मीट्रिक टन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का काम तेजी से जारी है। अब तक किसानों से लगभग 2 लाख 6 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। खरीदी के साथ ही किसानों को भुगतान भी किया जा रहा है, जिससे अब तक करीब 134 करोड़ रुपए सीधे उनके खातों में जमा किए जा चुके हैं। प्रशासन द्वारा इस बार खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिलेभर में 198 खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। किसानों को समय पर टोकन, तौल और भुगतान की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जा रही है। खरीदी केंद्रों पर अधिकारी लगातार निगरानी रख रहे हैं, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहे। प्रशासन का कहना है कि लक्ष्य के अनुसार खरीदी कार्य जारी है और आने वाले दिनों में इसमें और तेजी आएगी। किसानों ने भी भुगतान समय पर मिलने पर संतोष जताया है। जिले में समर्थन मूल्य पर खरीदी से किसानों को राहत मिली है और उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है।

शासकीय कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी- संभागायुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने कलेक्टर देवास से प्राप्त प्रस्ताव पर देवास जिले की कन्नौद तहसील के प्रभारी नायब तहसीलदार श्री मनीष बिरथरे को लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित कर दिया है। संभागायुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित रहते है। इस संबंध में कलेक्टर देवास द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके आधार पर संभागायुक्त श्री सिंह ने अनुशासनात्मक कार्रवाई कर निलंबन का आदेश जारी किया। निलंबन अवधि के दौरान संबंधित अधिकारी का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर जिला देवास निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। संभागायुक्त श्री सिंह ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

ताउम्र जेल की सलाखों में रहेगा हत्यारा पति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किराए के मकान में पत्नी का गला घोटकर हत्या करने वाले पति दिनेश को ताउम्र जेल में रहने की सजा अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा सुनाई गई है आरोपी को 5000 के अर्थदण्ड से दण्डित भी किया गया।

मीडिया सेल प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि मृतक लीला के पुत्र हर्षित सिंह ने बताया कि पुलिस को बताया था कि मै राज रायल कालोनी में रहता हूं। मेरे पापा दिनेश ने दो शादी की है। पहली पत्नि का नाम रेखा चैहान है जो राजीव नगर में रहती है व मेरी मम्मी लीला से दूसरी शादी करीबन 13-14 साल पहले की थी। मेरी मम्मी लीला ने भी दिनेश से दूसरी शादी की थी। मेरे वास्तविक पिता का नाम दिलीप सिंह बघेल है।

दस्तावेजों में प्रारंभ से ही मेरे पिता का नाम दिनेश लिखा हुआ है। मेरे पापा दिनेश ने एक किराये का मकान वीरनगर में लिया है जिस पर बाजार से थोक में कपडे लाकर कपडे कटिंग का काम करते है। मेरी मम्मी लीला घर पर सिलाई का काम करती थी मेरी मम्मी लीला और मेरे पिता दिनेश दोनों के बीच अक्सर पापा की पहली पत्नि रेखा से अलग होकर हमारे साथ रहने को लेकर झगडा होता रहता था पूर्व में भी एक बार इसी बात को लेकर पापा दिनेश चैहान ने मेरी मम्मी लीला चैहान को ईंट से मारा था जिसकी रिपोर्ट भी मैने व मम्मी ने थाने पर की थी।

11मई 2022 को शाम करीबन 6-7 बजे के आसपास मम्मी और पापा का इसी बात को लेकर झगडा हुआ था । लडाई झगडा हौने के बाद दोनों नई टीव्हीएस एक्सेल मोपेट गाडी से रामघाट घूमने का कहकर घर से निकले थे इसके बाद मेरे पापा ने रात करीबन 8 से 9 बजे के बीच मेरे पापा ने मोबाईल नंबर 7470678998 से मेरे नंबर 7909712869 पर फोन आया लेकिन मेरी उनसे स्पष्ट बात नहीं हो सकी फिर करीबन 11:30 बजे दोबारा मेरे पापा का फोन आया और बताया कि मैने तुम्हारी मम्मी लीला को वीरनगर वाले किराये के मकान में गला घोंटकर मार दिया है व लाश घर के अंदर है और मकान की चाबी वहीं पास में खिडकी के पास रखी है। इसके बाद मैं मेरी मम्मी लीला चैहान की गाडी स्कूटी क्रमांक एमपी 13 ईआर 2472 से वीरनगर स्थित किराये के मकान पर पहुंचा जहां खिडकी के पास रखी चाबी से घर का ताला खोलकर अंदर जाकर देखा तो मम्मी लीला की लाश घर के अंदर वाले कमरे में पड़ी हुई थी नाक से खून से निकल रहा था व गले पर गला घोंटने जैसा चोट का निशान दिखाई दे रहा थे उसके बाद मैं घबराहट में बाहर आया और वीरनगर कालोनी के सिक्योरिटी गार्ड मधुसूदन को बुलाया और 100 नंबर पर भी फोन कर दिया थोडी देर बाद 100 नबंर वाली पुलिस आ गई और जिस पर मैने, सिक्योरिटी गार्ड मधुसूदन व 100 नंबर वाले स्टाफ ने मिलकर मम्मी लीला की लाश को सी.एच उज्जैन लेकर गये जहां पर डाक्टर ने मम्मी लीला को मृत घोषित कर दिया इसके बाद मम्मी की लाश को सी.एच उज्जैन के मर्चुरी रूम में रखने के बाद ममता जैन, किशोर जैन व वैभव के साथ थाने रिपोर्ट करने आया हूं। प्रकरण में अनुसंधान के दौरान प्रभारी उप निदेशक अभियोजन राजेन्द्र कुमार खाण्डेगर के द्वारा थाना प्रभारी को अनुसंधान में विधिक परामर्श एवं साक्ष्य संकलन हेतु मागदर्शन प्रदान किया। पैरवी नितेष कृष्णन विशेष लोक अभियोजक के तर्को से सहमत होकर आरोपी को माननीय न्यायालय द्वारा दण्डित किया गया।

महाकाल दर्शन करने पहुंचे दिल्ली और गोवा के मंत्री... आरतियों में शामिल हुए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार सुबह वीआईपी दर्शन का क्रम जारी रहा। दिल्ली सरकार के गृह मंत्री आशीष सूद और गोवा सरकार के कैबिनेट मंत्री सुभाष उत्तम फल देसाई ने अलग-अलग समय पर बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई और विशेष आरतियों में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। सुबह आयोजित दद्योदक आरती में गृह मंत्री आशीष सूद ने भाग लेकर भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में पहुंचने पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उनका पारंपरिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। वहीं, गोवा के कैबिनेट मंत्री सुभाष उत्तम फल देसाई ने प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। भस्म आरती के दिव्य और आध्यात्मिक माहौल में उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। मंदिर समिति ने उनका भी सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।